हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

कृष्ण पक्ष, श्रावण, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • शुक्रवार • 05 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 183 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

राहुल-हेड ओपनर, गिल समेत 4 भारतीय शामिल, संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए...11

देश

बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई, जन्मदिन पर कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों...

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,43,100	₹ 2,80,000

आज का इतिहास

1995 : बोस-आइंस्टीन घनीभूत पहली बार प्रयोगशाला में बनाया गया था। बोस-आइंस्टीन घनीभूत पदार्थ के 5 वें राज्य के रूप में माना जाता है।

2013 : भारत के बिहार राज्य में 44 लोग एक बिजली तूफान द्वारा मारे गए।

डीसीएलआर एक शनिवार को राजस्वकर्मियों संग करेंगे समीक्षा

पटना(नि.सं.)। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) महीने में एक दिन किसी शनिवार को राजस्व कर्मचारी डीसीएलआर एक शनिवार को राजस्वकर्मियों संग समीक्षा करेंगे राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) महीने में एक दिन किसी शनिवार को राजस्व कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की ग्रामीण कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, कहा

ग्रामीण सड़कें होंगी चौड़ी

सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा : मुख्यमंत्री

- ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और चौड़ीकरण को दें प्राथमिकता
- सड़क एवं पुल परियोजनाओं के लिए धन की उपलब्धता में कोई कमी नहीं रहने देने पर जोर।
- सभी पुलों का नियमित निरीक्षण एवं सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश।
- सुरक्षित, सुदृढ़ एवं आधुनिक सड़क अवसंरचना के निर्माण हेतु सरकार प्रतिबद्ध।

निज संवाददाता | पटना

सड़क और पुल निर्माण कार्यों की गुणपत्ता के मानक का पालन किया जाएगा। निर्माण कार्य में घटिया सामग्री बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाना है। इसके लिए निगरानी होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एजेंसियों की जवाबदेही तय करे। तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से पुलों की संरचनात्मक मजबूती का आकलन होगा। अगर जरूरत पड़ी तो सुधार किया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण सड़कें भी चौड़ी की जाएंगी। राज्य सरकार के अधीन आने वाली सभी सड़कों और पुलों के नियमित रखरखाव के निर्देश दिए। कई बार नई परियोजनाओं के निर्माण पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि पहले से निर्मित सड़कों और पुलों के रखरखाव की अनदेखी हो जाती है। ऐसी स्थिति नहीं होगी। पैसों की कमी के कारण कोई भी योजनाएं देर नहीं होंगी।

बैठक में पुलों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी पुलों का नियमित निरीक्षण और समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित दुर्घटना या संरचनात्मक कमजोरी की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने मुंगेर (साफियाबाद)–बरियारपुर–घोरघट–सुल्तानगंज–भागलपुर–सबौर 4 लेन गंगा पथ परियोजना की समीक्षा की। उन्होंने इस परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत आगे बढ़ाने की कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना मुंगेर और भागलपुर क्षेत्र के बीच संपर्क को बेहतर बनाएगी और व्यापार, उद्योग, पर्यटन और आवागमन को नई गति देगी। परियोजना पूरी होने के बाद गंगा के किनारे बसे क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क का लाभ मिलेगा।

खराब ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण में न हो देरी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहले से निर्मित ग्रामीण सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जहां सड़कों की स्थिति खराब है या यातायात के दबाव के कारण उन्हें मजबूत करने की जरूरत है, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों का रखरखाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना नई सड़कों का निर्माण। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते वाहनों और लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया। कई सड़कें वर्तमान यातायात दबाव के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए उनका विस्तार आवश्यक है।

धन की कमी के कारण परियोजना प्रभावित नहीं होनी चाहिए : सीएम

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सड़क एवं पुल परियोजनाओं के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धन की कमी के कारण कोई भी महत्वपूर्ण परियोजना प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक बजटीय प्रावधान समय पर किए जाएं ताकि निर्माण कार्यों की गति बनी रहे और परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी हो सकें।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में लगी भीषण आग

पांच मरीजों की मौत, 20 से अधिक झुलसे

फायर टीम ने बताया कि गुरुवार की सुबह 3 बजकर 55 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस और प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। फायर विभाग का कहना है कि आग की वजह शार्ट सर्किट है। हालांकि आग लगने की स्पष्ट वजह जांच के बाद सामने आ पाएगी।

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में गुरुवार को एक निजी अस्पताल में लगी भीषण आग ने बड़ा हादसा खड़ा कर दिया। शहर स्थित प्रसाद अस्पताल के आईसीयू (इंटेंसिव केयर यूनिट) में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक मरीजों और परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, देर रात अस्पताल के आईसीयू में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में धुआं पूरे वार्ड में फैल गया, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों को बचाव अभियान के दौरान भारी धुएं का सामना करना पड़ा। एक अग्निशमन कर्मी ने बताया कि अस्पताल के भीतर धुएं की मात्रा इतनी अधिक थी कि अंदर जाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद टीम ने साहस दिखाते हुए करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार कुल 20 से 22 लोगों को अस्पताल से सुरक्षित निकाला गया है।

दमकल विभाग के अधिकारी फैज आलम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच और तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मृतकों की मौत आग, धुएं या दम घुटने से हुई है, इसका स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या पांच बताई जा रही है। वहीं कई अन्य लोग धुएं और आग की चपेट में आने से घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

मेरी आंखों के सामने जलकर मर गए ससुर

बगाही गांव की संगीता कुमारी ने बताया कि उनके ससुर बृजनंदन राय सड़क हादसे में घायल होने के बाद पिछले चार दिनों से आईसीयू में भर्ती थे। इलाज के लिए परिवार ने जमीन तक बेच दी थी। संगीता ने कहा कि गुरुवार तड़के करीब 3 बजे अचानक आईसीयू में अफरा-तफरी मच गई। मरीज और परिजन जान बचाने के लिए बाहर निकलने लगे। जब उन्होंने अंदर देखा तो उनके ससुर आग की लपटों में घिरे हुए थे। उन्होंने बताया, 'मैं उन्हें बचाने के लिए अंदर जाना चाहती थी, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि कुछ नहीं कर सकी। मेरी आंखों के सामने ही ससुर जल गए। यह कहते हुए वह रो पड़ीं।

सीएम ने किया दुख व्यक्त, मुआवजे का एलान

घटना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद और पीड़ादायक घटना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

हॉस्टल से 10 वर्षीय छात्र 7 दिनों से लापता, मां ने थाने में दिया आवेदन

कुरसेला (कटिहार): कुरसेला नगर पंचायत स्थित विद्या भारती अध्ययन केंद्र हॉस्टल से 10 वर्षीय छात्र 7 दिनों से लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। छात्र के लापता होने के बाद बच्चे की मां प्रीती कुमारी ने कुरसेला थाना में बुधवार को लिखित आवेदन देकर पुत्र की सकुशल बरामदगी की मांग की है। लेकिन आवेदन देने के 36 घंटे बाद भी बच्चे का बरामदगी नहीं कर पायी है। मिली जानकारी के अनुसार कोढ़ा थाना क्षेत्र के रहिकाटोल बिषहरिया निवासी अमित कुमार यादव का पुत्र दक्षराज उर्फ भोलू कुमार (10) वर्षीय पिछले छह वर्षों से विद्या भारती अध्ययन केंद्र हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। 29 मई की सुबह करीब 5 बजे भोलू को अकेले हॉस्टल से बाहर निकलते हुए देखा हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में गया है। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन बच्चे का पता नहीं चल सका। अंततः बच्चे की मां ने 3 जून को कुरसेला थाना में आवेदन देकर पुत्र की बरामदगी की गुहार लगाई। पुलिस ने आवेदन प्राप्त होते ही मामले की जांच शुरू कर दी है तथा बच्चे की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद हॉस्टल में रह रहे बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता छात्र को जल्द से जल्द सकुशल बरामद करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और बच्चे की खोजबीन के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मुर्दाबाद और जिंदाबाद की नारों से गूंज उठा राजेंद्र आश्रम

कटिहार। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मुर्दाबाद और जिंदाबाद की नारों से गूंज उठा राजेंद्र आश्रम।कांग्रेस सम्मेलन में घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा।कांग्रेस जिला कार्यालय राजेंद्र आश्रम में आज जब कार्यकर्ता सम्मेलन चल रहा था इसी क्रम में कुछ वरिष्ठ नेताओं के भाषण के क्रम में बिना नाम लिए कुछ बड़े नेता पर कटाक्ष किया। जिस पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध करते हुए घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला। कार्यकर्ता सम्मेलन स्थल पर ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जिंदाबाद और मुर्दाबाद का नारा लगने लगा। जिसके कारण बैठक स्थल पर घंटों जिंदाबाद मुर्दाबाद की गूंज गूंजता रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तारिक अनवर जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद का नारा लगाया। बैठक स्थल से बाहर निकलते हुए राजेंद्र आश्रम परिसर में तारिक अनवर जिंदाबाद की नारा से घंटों राजेंद्र आश्रम गूंजता रहा।अधिकांश कांग्रेस कार्यकर्ता सांसद तारिक अनवर एवं विधायक मनोहर सिंह के पक्ष में थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि बाहर के नेता आकर कांग्रेस सम्मेलन में संगठन श्रृजन अभियान से संबंधित बातें ना करके अपनी वर्चस्व को बनाए रखने के लिए राजनीतिक करण की युक्त भाषण देने तथा स्थानीय नेता के कार्य पर आलोचना करने से कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी काफी आक्रोशित हो गये। कांग्रेस शहरी क्षेत्र के जिला अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के द्वारा आक्रोशित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को शांत किया।

कटिहार रेलमंडल में रेल राजस्व को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान जारी

कटिहार। कटिहार रेलमंडल में बिना टिकट यात्रा एवं रेलवे नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए गए विशेष जांच अभियान ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मई 2026 के दौरान वाणिज्य विभाग द्वारा चलाए गए सघन अभियान में 36,514 मामलों से कुल 3 करोड़ 83 लाख 31 हजार 343 रुपये का रेल राजस्व प्राप्त कर वाणिज्य विभाग ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम करने में सफलता हासिल किया है। जो पिछले वर्ष मई माह की तुलना में 18.76 प्रतिशत अधिक है। कटिहार रेलमंडल में डीआरएम किरेंद्र नरह के निर्देश एवं सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अभियान को बिहार और पश्चिम बंगाल क्षेत्र में अलग-अलग टीमों के माध्यम से संचालित किया गया। इस अभियान में डीसीएम कुमार जितेंद्र सिंह, एसीएम कटिहार निशांत कुमार, एसीएम न्यू जलपाईगुड़ी प्रीतिमय चौधरी सहित दर्जनों वाणिज्य कर्मी एवं सुरक्षा बल के जवान अलग अलग टीम का नेतृत्व कर रहे थे। सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह ने बताया कि कार्रवाई के दौरान बेटिकट यात्रा के अलावा महिला एवं दिव्यांग कोच में अनधिकृत यात्रा, पैंट्रीकार में बिना टिकट सफर, स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने, रेल परिसर में धूम्रपान करने तथा मटरगश्ती जैसे मामलों में भी जुर्माना वसूला गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा और रेलवे की राजस्व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे हमेशा उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, क्योंकि बिना टिकट यात्रा करना एक दंडनीय अपराध है और पकड़े जाने पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई के तहत जेल की भी हवा खानी पड़ सकती है। कटिहार रेलमंडल में रिकॉर्ड राजस्व वसूली ने यह साबित कर दिया है कि रेलवे अब नियमों के उल्लंघन के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रहा है।

कटिहार में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान

कटिहार। जिला कांग्रेस मुख्यालय राजेंद्र आश्रम में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। विशेष बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक हर दृष्टिकोण और नीति से मजबूत तथा धारदार बनाना था। इस दौरान आगामी संगठन चुनावों और सांगठनिक गतिविधियों को गति देने पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया गया,ताकि आने वाले समय में पार्टी एक नई ऊर्जा के साथ जनता के बीच खड़ी हो सके। बैठक की शुरुआत में परंपरा और सम्मान का भव्य नजारा देखने को मिला। कटिहार जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय कुमार सिंह द्वारा प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार को शाल एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में पहुंचे विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्षों और नगर अध्यक्षों ने भी एक-एक कर प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के कई कद्दावर नेता मौजूद रहे। जिनमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक पूनम पासवान, अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम,पूर्व विधायक शकील अहमद खान,आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर डॉ. विपिन कुमार सिंह, कटिहार जिला कांग्रेस प्रभारी डॉ.अमन कुमार और महिला कांग्रेस की प्रदेश प्रतिनिधि मीनाक्षी श्वेता प्रमुख रूप से शामिल थीं। बैठक में सबसे ज्यादा जोर पार्टी की नई डिजिटल सदस्यता प्रणाली पर जोर दिया गया। नेताओं ने इस बात पर विस्तृत रोशनी डाली कि किस प्रकार वर्तमान में संगठन सृजन का कार्य पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। बैठक में कार्यकर्ताओं को स्पष्ट रूप से समझाया गया कि पहले के मुकाबले यह डिजिटल प्रक्रिया कितनी पारदर्शी,सटीक और प्रभावी है। नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इस डिजिटल माध्यम का उपयोग कर जमीनी स्तर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को कांग्रेस परिवार से जोड़ें और अपनी सक्रियता साबित करें। बैठक की सफलता में प्रदेश प्रवक्ता प्रेम राय, जिला प्रवक्ता पंकज तमाखुवाला,पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष सौरभ कुमार की भी सक्रिय भूमिका रही। इनके साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय सिंह,नगर अध्यक्ष अ पुतुल सिंह व नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा,आले रसूल,नगीना यादव,नय्यर खान, चंद्रभानु गुप्त,मशरूर आलम,मो क़ादिर, नितिन सिन्हा,निरंजन पोद्दार,प्रदीप पासवान,आईटी सेल के जिला अध्यक्ष विक्रम कुमार पासवान, कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व प्रदेश कंट्रोल रूम सदस्य मिनहाज रहमानी,अल्तमश दीवान, मोहम्मद हसन,मो वहाब,मो इश्तियाक, रज्जी इमाम,विनय मंडल,सोहराब उर्फ शेरु,मो साजिद,जटा शंकर झा,पप्पू कश्यप,सऊद मुखिया,मुख्तार आलम,मुन्ना सिंह,अनु सिंह,मोहसिन खान,सूरज विश्वास , मुकेश साह,नवीन खंडेलिया, सहित भारी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

युवक की संदेहास्पद मौत, छः माह पहले हुई थी शादी, परिजनों में पसरा मातम

♦ **सीओ ने कहा सर्पदंश से मौत होने पर पोस्टमार्टम और एफआईआर के बाद परिजनों को मिलता है 4 लाख रुपए का मुआवजा**

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत स्थित न्यू सिंगर गांव में गुरुवार की सुबह एक युवक की मौत संदेहास्पद रूप से हो गई। मृतक युवक की पहचान न्यू सिंगर गांव निवासी प्रदीप राजवंशी के 20 वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रंजीत की तबियत बुधवार की शाम से बिगड़ने लगी। जब गुरुवार को तबीयत ज्यादा खराब हुई, तो परिजनों ने झाड़-फूंक के लिए एक ओझा को बुलाया। ओझा ने युवक की गम्भीर हालत को देखकर उसने सर्पदंश की बात कहकर परिजनों को इलाज हेतु अस्पताल में इलाज करवाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन बीमार पड़े युवक को सुबह 8 बजे रजौली अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। अस्पताल में मौजूद चिकित्सक डॉ. बरकत अली ने रंजीत कुमार की जांच कर मृत घोषित कर दिया। रंजीत के मृत होने की खबर सुनते ही परिजनों में मातम पसर गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि रंजीत की शादी बीते छः माह पूर्व हुई थी और अभी उसकी पत्नी गर्भवती है। ग्रामीणों ने कहा कि बच्चे के जन्म के पहले ही उसके ऊपर से पिता का छाया हट गया।

बताते चलें कि इससे पूर्व बीते 22 मई को ककोलतिया जंगल में लकड़ी बीनने गई हरदिया के कचहरियाडीह निवासी नरेश राजवंशी के 17 वर्षीय पुत्री ललती कुमारी की मौत सर्पदंश से हुई थी।किंतु परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम के लिए इंकार कर दिया गया।इससे मृतक परिजनों के परिजनों को मुआवजा की राशि नहीं मिल सकी।

घर के समीप रोते-बिलखते परिजन

इस संबंध में सीओ मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि हरदिया के एक युवक की मौत की सूचना मिली है। परिजनों द्वारा सांप के काटने से हुई मौत बता रहे हैं। सीओ द्वारा परिजनों को मृतक रंजीत कुमार का पोस्टमार्टम करवाने एवं प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो पाएगा कि युवक के मौत के पीछे का क्या कारण है।

सीओ ने कहा कि सर्पदंश से मौत पर सरकार द्वारा चार लाख रुपए का मुआवजा आश्रित परिजन को दिया जाता है। वहीं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा आवेदन मिलने पर शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

वसरकारी नौकरी में चयनित छात्रों को किया गया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नारदीगंज; नारदीगंज बाजार स्थित करियर मेकर इंस्टीट्यूट के होनहार विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत के दम पर सरकारी नौकरी का सपना पूरा किया है। इसी खुशी में गुरुवार को संस्थान में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बिहार पुलिस, आर्मी जीडी और क्लर्क समेत अन्य पदों पर चयनित होने वाले विद्यार्थियों को निदेशक शैलेश कुमार के द्वारा शाल, डायरी एवं कलम देकर सम्मानित किया गया। चयनित छात्र-छात्राओं में अंकिता कुमारी, रिमझिम कुमारी, सुरुचि कुमारी, सोनू कुमार, विवेक कुमार, राजेश कुमार, बिट्टू कुमार और रंजीत कुमार शामिल हैं। इन सभी ने अपनी दसवीं व बारहवीं की पढ़ाई भी इसी संस्थान से पूरी की थी।

अपनी इस शानदार कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सफल विद्यार्थियों ने बताया कि यह सफलता माता-पिता की प्रेरणा, गुरुजनों के मार्गदर्शन और खुद के कठिन परिश्रम का फल है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर शिक्षक अरुण टाइगर,पंकज कुमार समेत अन्य उपस्थित रहे, जिन्होंने सफल बच्चों का मुंह मीठा कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

20 सूत्री की बैठक में जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नारदीगंज। प्रखंड के उजला भवन में गुरुवार को बीस सूत्री की बैठक अध्यक्ष जयराम प्रसाद कुशवाहा की अध्यक्षता व बीडीओ सोनिया ढनढनियां के संचालन में हुई। बैठक में बीडीओ, सीओ, शिक्षा व कृषि पदाधिकारी उपस्थित हुए, जबकि पंचायती राज पदाधिकारी और स्वच्छता कोऑर्डिनेटर समेत अन्य के अनुपस्थित रहने पर उनके खिलाफ कार्रवाई व स्पष्टीकरण का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में पूर्व की कार्यवाही का विवरण न मिलने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई। सदस्य प्रिय रंजन सिंह ने पंचायती राज विभाग के आदेश (संख्या 4660) का हवाला देते हुए बीडीओ पर सरकारी राशि की बंदरबांट और स्वच्छता कार्य में भारी लूट का आरोप लगाया। इस पर अध्यक्ष ने आपूर्ति और कृषि समेत सभी सरकारी विभागों की जांच के लिए एक कमेटी गठित की। साथ ही, पारित प्रस्तावों की प्रति सात दिनों के भीतर जिलाधिकारी और विभागीय सचिव को भेजने का निर्देश दिया। वहीं भीषण गर्मी को देखते हुए विभाग को बंद पड़े नल-जल और खराब चापाकलों को तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया गया। उपाध्यक्ष अशोक कुमार उर्फ बबलू ने पेश पंचायत में पांच साल से कार्य न होने और बिना आम सभा के योजनाएं पास करने का मुद्दा उठाया। बैठक में इचुआकरना व कोशला पंचायत के कार्यों का प्रपत्र मांगने के साथ एफसीआई गोदाम व स्थायी बस स्टैंड निर्माण की मांग की गई। पूर्व सांसद प्रतिनिधि कृष्णदेव सिंह ने पशुपालन की समस्याएं रखीं। मौके पर सदस्य विपिन कुमार, चुन्नी देवी, नीतू देवी, अनीश कुमार व अन्य मौजूद रहे।

जिला परिषद की सामान्य बैठक में सदस्यों ने प्रमुखता से उठाया जनहित का मामला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला परिषद सभाकक्ष, नवादा में जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा देवी की अध्यक्षता में जिला परिषद की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के प्रारंभ में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पेयजल आपूर्ति, कृषि, पशुपालन, मत्स्य, विद्युत, सड़क निर्माण, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, बाल विकास परियोजना सहित अन्य विकासात्मक योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति से सदन को अवगत कराया गया।

समीक्षा के उपरांत जिला परिषद सदस्यों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्यों, आधारभूत संरचनाओं, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, पेयजल एवं सड़क संबंधी समस्याओं के समाधान तथा सरकारी योजनाओं से वंचित पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, नवादा श्रीमती नीलिमा साहू ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला परिषद सदस्यों द्वारा बैठक में उठाए गए मुद्दों एवं जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विकास कार्यों की नियमित निगरानी, क्षेत्रीय निरीक्षण तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें, ताकि आम जनता को योजनाओं का अपेक्षित लाभ प्राप्त हो सके।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिला परिषद स्थानीय विकास की एक महत्वपूर्ण इकाई है तथा जनप्रतिनिधियों के सुझाव एवं सहयोग से विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि बैठक में लिए गए निर्णयों एवं दिए गए निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में माननीय विधायक, रजौली श्री विमल राजवंशी, माननीय विधान पार्षद श्री अशोक यादव, जिला परिषद उपाध्यक्षा श्रीमती निशा कुमारी, जिला परिषद के सभी माननीय सदस्यगण, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दुलाल चन्द्र गोस्वामी के सतत प्रयासों से खगड़िया–पूर्णिया फोरलेन परियोजना को मिली स्वीकृति

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। पूर्व सांसद कटिहार एवं वर्तमान विधायक कदवा श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी द्वारा वर्षों से किये गये निरंतर प्रयास,प्रभावी पैरवी एवं जनहित के प्रति समर्पित पहल के परिणामस्वरूप खगड़िया–पूर्णिया राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-31) फोरलेन परियोजना को भारत सरकार की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि सीमांचल एवं पूर्वी बिहार के विकास के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी।

दुलाल चन्द्र गोस्वामी ने अपने सांसद कार्यकाल के दौरान इस परियोजना की आवश्यकता को लगातार संसद और केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से रखा। लोकसभा में उन्होंने स्पष्ट रूप से यह विषय उठाया कि जहां पटना से खगड़िया तक सड़क चौड़ीकरण एवं फोरलेन निर्माण का कार्य प्रगति पर है।वहीं खगड़िया से पूर्णिया तक का महत्वपूर्ण मार्ग अब भी फोरलेन सुविधा से वंचित है। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि सीमांचल के विकास एवं बेहतर संपर्क व्यवस्था के लिए इस मार्ग का भी शीघ्र फोरलेन निर्माण कराया जाए। श्री गोस्वामी ने 16 मार्च 2021, 07 दिसंबर 2021 एवं 21 मार्च 2022 को लोकसभा में इस मांग को प्रमुखता से उठाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री आदरणीय नीतीन गरकरी को कई बार पत्राचार

के माध्यम से इस परियोजना की महत्ता से अवगत कराया तथा शीघ्र स्वीकृति हेतु आग्रह किया। मंत्रालय स्तर पर लगातार संवाद और अनुवर्ती कार्रवाई के माध्यम से उन्होंने इस परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगड़िया–पूर्णिया फोरलेन परियोजना के पूर्ण होने से खगड़िया, कटिहार, पूर्णिया सहित पूरे सीमांचल क्षेत्र में आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुगम होगा। साथ ही व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त होगा। यह सड़क क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति देने के साथ-साथ लाखों लोगों के जीवन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी। यह स्वीकृति दुलाल चन्द्र गोस्वामी की विकासोन्मुख सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। क्षेत्र की जनता इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त करती है।

कुरसेला में आग लगने से घर जलकर राख, हजारों की संपत्ति का नुकसान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कुरसेला (कटिहार): कुरसेला प्रखंड के कटरिया गांव के एक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग लगने से एक घर जलकर राख हो गया। इस घटना में घर में रखा घरेलू सामान, अनाज, कपड़े एवं अन्य जरूरी सामग्री जलकर नष्ट हो गई। आग लगने के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार कटरिया गांव निवासी राजेश कुमार झा के छतदार मकान पर बने फूसनुमा घर में खाना बनाने के दौरान आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग

बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक घर में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। घटना के बाद पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं राहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सूर्य नारायण देव मंदिर कोर कमेटी की बैठक में हुआ पदाधिकारियों का विस्तार, 2027 तक निर्माण पूर्ण करने का लक्ष्य

आय-व्यय का रखा गया ब्योरा, समिति पर 1.91 लाख का बकाया, ओडिशा के कारीगर बनाएंगे मुख्य शिखर और सिंहासन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। नगर पंचायत रजौली स्थित राज शिव मंदिर, नीचे बाजार परिसर में श्री सूर्य नारायण देव मंदिर कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंदिर की आय-व्यय, विकास कार्यों की समीक्षा और कमेटी विस्तार पर चर्चा हुई।

मंदिर समिति के अध्यक्ष संदीप वर्मा ने लेखा-जोखा पेश किया। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल 2023 को सूर्य मंदिर का भूमि पूजन किया गया था। 11 जनवरी 2024 तक ढलाई कार्य पूर्ण होने तक कुल आय 13 लाख 23 हजार 871 रुपये हुई, जबकि खर्च 15 लाख 06 हजार 228 रुपये रहा। इससे समिति 1 लाख 82 हजार 357 रुपये घाटे में रही। संदीप वर्मा ने बताया कि 1 मार्च 2024 से 30 दिसंबर 2025 तक ओडिशा के कारीगरों द्वारा मंदिर के दो गुंबदों का निर्माण, डिजाइन कार्य, गर्भगृह निर्माण, 21 मूर्तियों का निर्माण तथा संपूर्ण मंदिर का प्लास्टर कार्य कराया गया। इस अवधि में 9 लाख 60 हजार 130 रुपये खर्च हुए, जबकि आय 7 लाख 68 हजार 145 रुपये हुई। वर्तमान में समिति पर 1 लाख 91 हजार 985 रुपये का बकाया ऋण है।

बैठक में छठ पूजा समिति के अध्यक्ष राजा सिंह की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से मंदिर कमेटी का विस्तार किया गया। राजा सिंह को उपाध्यक्ष, राहुल कुमार साव को कोषाध्यक्ष, सुमित कुमार बिट्टू को

बैठक में शामिल समिति के लोग

उपकोषाध्यक्ष तथा संदीप कुमार बाना को लेखापाल चुना गया।

मंदिर समिति के सचिव मनीष सिंह ने कहा कि नगरवासियों के सहयोग से जिले का एक भव्य एवं अनूठा सूर्य मंदिर बनाने का सपना साकार किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 तक मंदिर निर्माण कार्य लगभग पूर्ण कर लिया जाएगा। सचिव अरबिंद विश्वकर्मा ने बताया कि जल्द ही मंदिर के मुख्य शिखर एवं सूर्य भगवान के सिंहासन का निर्माण भी ओडिशा के कुशल कारीगरों द्वारा कराया जाएगा।

इस दौरान वार्ड संख्या-6 के प्रतिनिधि सुमित सिंह ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। बैठक में छठ पूजा समिति के सचिव अरुण साव, उपकोषाध्यक्ष गौतम ताती, सुरक्षा प्रमुख नवीन कंधवे, जय राम सिंह, राजेश कुमार, बिनय कुमार, राहुल पांडेय, अनुज भदानी, गुड्डू साहू, सुभाष साव, पिंटू चौधरी, कनक सेठ, श्याम सुंदर पांडेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

बुकनारी दुग्ध उत्पादक समिति ने बांटी बोनस राशि विधानसभा अध्यक्ष ने किसानों को किया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। परैया प्रखंड के बुकनारी दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड द्वारा गुरुवार को छठे बोनस वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और दुग्ध उत्पादक किसानों के बीच बोनस राशि का वितरण किया। कार्यक्रम में किसानों, पशुपालकों और महिला सदस्यों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित इस समारोह में समिति से जुड़े 179 दुग्ध उत्पादक किसानों के बीच कुल 90,910.38 रुपये की बोनस राशि वितरित की गई। सर्वाधिक बोनस प्राप्त करने वालों में राजू यादव को 4,478 रुपये तथा संतोष यादव को 3,245.68 रुपये की राशि प्रदान की गई। बोनस प्राप्त कर किसानों ने खुशी जताते हुए समिति और प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि देश में श्वेत क्रांति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, उसी तरह श्वेत क्रांति ने गांवों में रोजगार सृजन, आय वृद्धि और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। उन्होंने किसानों से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और सहकारिता के माध्यम से आर्थिक समृद्धि की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन और दुग्ध व्यवसाय आज किसानों की आय का एक मजबूत आधार बन चुका है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, पशुपालन को प्रोत्साहन देने और दुग्ध क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसानों को इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियां ग्रामीण विकास का प्रभावी माध्यम बन रही हैं। किसानों को पशुओं के बेहतर पोषण, नस्ल सुधार और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धति अपनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने किसानों को सुधा दाना और मिनरल मिक्सचर के नियमित उपयोग की सलाह देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर पशु प्रबंधन से दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। इससे किसानों की आमदनी कई गुना बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने समिति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण महिलाएं दुग्ध उत्पादन और संग्रहण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की बढ़ती सहभागिता न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है, बल्कि सहकारिता आंदोलन को भी नई ऊर्जा दे रही है।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में बुकनारी दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति से लगभग 200 किसान जुड़े हुए हैं, जिनमें 90 से अधिक महिला सदस्य शामिल हैं। समिति प्रतिदिन करीब 400 लीटर दूध का संग्रहण कर रही है, जो क्षेत्र में दुग्ध व्यवसाय की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाता है। समारोह में मगध दुग्ध संघ के चेयरमैन जितेंद्र कुमार, प्रबंध निदेशक हेमेन्द्र कुमार, पशु चिकित्सक डॉ. आराधना, प्रशिक्षण प्रभारी जितेंद्र कुमार, जिला प्रभारी मंटू कुमार, रागिनी कुमारी, रंजिता कुमारी सहित बड़ी संख्या में पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक किसान उपस्थित रहे।

गंगटी क्षेत्र से महिला का शव बरामद, दुभल गांव की किरण देवी की हुई पहचान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

इमामगंज। प्रखंड के गंगटी क्षेत्र से गुरुवार को एक महिला का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान इमामगंज प्रखंड के दुभल गांव निवासी 45 वर्षीय किरण देवी, पति संजय प्रसाद के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गंगटी क्षेत्र में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी थी।

सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम एवं इमामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इमामगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच के दौरान महिला की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसकी पहचान दुभल गांव निवासी किरण देवी के रूप में की गई। पहचान होने के बाद पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष
डा. अजय प्रकाश
सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विश्व पर्यावरण दिवस, 2026

विश्व पर्यावरण दिवस हमें वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करने की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का वैश्विक विषय "जलवायु परिवर्तन" (Climate Change) है, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने की तरफ समाज का ध्यान आकर्षित करता है। बढ़ते तापमान, अत्यधिक मौसमी परिवर्तन और जैव विविधता का क्षरण प्रकृति के स्पष्ट संकेत हैं, जो हमें ठोस एवं कारगर कदम उठाने को प्रेरित करते हैं।

झारखंड, जो वनों, नदियों और समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है, भारत की पारिस्थितिक धरोहर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें और साथ ही सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ें। सभी नागरिक यदि पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाएं, प्रदूषण कम करें, जल संरक्षण करें और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें, तो बहुत हद तक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है।

हमारा राज्य पर्यावरणीय स्थिरता और हरित विकास को सशक्त बनाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वास्तविक प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है, चाहे वह वृक्षारोपण या ऊर्जा संरक्षण के द्वारा हो। एक छोटा सा प्रयास भी एक स्वच्छ और स्वस्थ झारखंड की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारा राज्य प्रकृति के साथ सामंजस्य में फलता-फूलता रहे और राष्ट्र तथा विश्व के लिए जिम्मेदार पर्यावरणीय प्रबंधन का प्रेरणादायक उदाहरण बने।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड

संक्षिप्त समाचार

आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन चाक्षुष कला कार्यशाला-2026 का शुभारंभ

कटिहार। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत बिहार ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन चाक्षुष कला कार्यशाला-2026 का आज विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय मंत्री, कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक श्रीमती रूबी, संग्रहालय निदेशालय के निदेशक श्री कृष्ण कुमार,बिहार ललित कला अकादमी की सचिव अमृता प्रीतम, कलाकार, प्रशिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि कला एवं संस्कृति विभाग बच्चों और युवाओं की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में अनेक प्रतिभाएं मौजूद हैं।जिन्हें उचित मंच और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इस दिशा में विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। इस मौके पर मंत्री ने सुझाव दिया कि भविष्य में कम से कम एक माह की अवधि की आवासीय कला कार्यशाला आयोजित की जाए, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के बच्चे भी भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभागियों के लिए आवास, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विभाग की ओर से उपलब्ध कराने संबंधित प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा, ताकि दूर-दराज क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी अपनी कला को निखारने का अवसर प्राप्त हो सके। वहीं, सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक श्रीमती रूबी ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों की कल्पनाशीलता, सृजनशीलता एवं रचनात्मक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कला के माध्यम से बच्चे अपनी अभिव्यक्ति को नया आयाम देते हैं तथा उनमें नवाचार और आत्मविश्वास का विकास होता है। 03 जून से 10 जून तक आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में 08 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोरों को पेपर मेशी, वेस्ट मेटेरियल क्राफ्ट तथा टेराकोटा जैसी कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुपयोगी वस्तुओं के रचनात्मक उपयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा 'वेस्ट टू बेस्ट' की अवधारणा से भी अवगत कराया जाएगा। कार्यशाला प्रतिदिन पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक बिहार ललित कला अकादमी के बहुद्देशीय सांस्कृतिक परिसर में संचालित की जाएगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को आवश्यक कला सामग्री एवं अल्पाहार निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में बिहार ललित कला अकादमी की सचिव अमृता प्रीतम ने सभी अतिथियों, कलाकारों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं मंच का संचालन सोमा चक्रवर्ती द्वारा किया गया।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र पासवान ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

कटिहार। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के मंत्री लखेंद्र पासवान ने गुरुवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्ययोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और 100 दिनों की कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मंत्री पासवान ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों को शीघ्र भरा जाएगा। इसके लिए बिहार लोक सेवा आयोग को 1048 पदों (प्रधानाध्यापक एवं अध्यापक) पर नियुक्ति के लिए अधियाचना सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में सफाई कर्मी, नाई, माली समेत कई कर्मियों के लिए 365 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। सहयोग शिविर के बारे में मंत्री ने कहा कि विकसित बिहार बनाने में इसकी अहम भूमिका है। मंत्री ने बताया कि चार प्रखंडों में 720 क्षमता वाले नए डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इनमें वैशाली जिले का पातेपुर, पश्चिम चंपारण जिले का नरकटियागंज, मुजफ्फरपुर जिले का मीनापुर और खगड़िया जिले का खगड़िया प्रखंड शामिल हैं। इसके अलावा, 18 जिलों में स्वीकृत सावित्रीबाई फुले छात्रावासों का निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जनता के लिए महत्वपूर्ण किसी भी मामले से उन्हें तुरंत अवगत कराया जाए। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की है, जिसमें इस विभाग की भी अन्य विभागों के साथ अहम भूमिका है। इसके अलावा अत्याचार अधिनियम के तहत 121 आश्रितों की नियुक्ति की गई है। सरकार हर प्रखंड में डॉ अम्बेडकर कल्याण छात्रावास स्थापित करने जा रही है तथा हर विधानसभा क्षेत्र में डॉ भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय खोलने की योजना पर भी काम चल रहा है। बिहार महादलित विकास मिशन के अंतर्गत महादलित टोलों में सामुदायिक भवन सह वर्कशेड निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक 4983 सामुदायिक भवन पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 1025 का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री पासवान ने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर पुडकलकट्टी (आई.ए.एस) समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सीमांचल के समर्पित जेडीयू कार्यकर्ता को विधान परिषद में मिले प्रतिनिधित्व

कटिहार। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता डॉ. सुशील कुमार सुमन ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा तथा सीमांचल की धरोहर एवं कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान की प्रतीक बिहार सरकार की जनप्रिय मंत्री लेशी सिंह से मांग की है कि सीमांचल क्षेत्र, विशेषकर कटिहार जिले के किसी योग्य,संघर्षशील,समर्पित एवं लोकप्रिय जेडीयू कार्यकर्ता को बिहार विधान परिषद का सदस्य मनोनीत कर क्षेत्र को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाय। डॉ. सुमन ने कहा कि जनता दल (यू) की स्थापना से लेकर आज तक सीमांचल क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने,पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकासोन्मुखी नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद आज तक सीमांचल के किसी समर्पित जेडीयू कार्यकर्ता को बिहार विधान परिषद में मनोनीत होने का अवसर नहीं मिला है। यह क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की वर्षों पुरानी अपेक्षा है।जिस पर अब गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सीमांचल क्षेत्र से सदैव विशेष स्नेह एवं आत्मीय संबंध रहा है। कटिहार सहित पूरे सीमांचल की जनता ने भी समय-समय पर जेडीयू और उसके नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए भरपूर समर्थन दिया है। पार्टी के संगठनात्मक विस्तार से लेकर चुनावी सफलता तक में सीमांचल के कार्यकर्ताओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। डॉ. सुमन ने कहा कि कटिहार जिला जेडीयू के समर्पित, कर्मठ एवं संघर्षशील कार्यकर्ताओं की मजबूत फौज के लिए पूरे बिहार में जाना जाता है। यहां ऐसे अनेक कार्यकर्ता हैं।जिन्होंने वर्षों तक बिना किसी पद, प्रतिष्ठा या लाभ की अपेक्षा के पार्टी की सेवा की है।कठिन परिस्थितियों में भी संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है तथा पार्टी की विचारधारा को मजबूती प्रदान की है।

उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व से आग्रह किया कि एक व्यापक सर्वेक्षण कर ऐसे कार्यकर्ता की पहचान की जाए जिसने पार्टी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया हो,जो वर्षों से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन की सेवा करता रहा हो, जिसकी छवि स्वच्छ एवं जनप्रिय हो तथा जो न केवल आम आवाम के बीच लोकप्रिय हो बल्कि जेडीयू कार्यकर्ताओं के बीच भी समान रूप से सम्मानित, स्वीकार्य और प्रिय हो। ऐसे कार्यकर्ता को बिहार विधान परिषद में मनोनीत किया जाना सीमांचल के लाखों कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान होगा तथा इससे संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्राप्त होगी। डॉ. सुमन ने कहा कि यदि पार्टी ऐसे जमीनी एवं जनप्रिय कार्यकर्ता को अवसर देती है तो इससे यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि जेडीयू अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और निष्ठा का सम्मान करना जानती है। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा सीमांचल क्षेत्र में पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी।

श्री रूद्रचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ की जलभरी शोभा यात्रा निकली

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास । प्रखंड के नोनहर गांव के माँ काली मंदिर के प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्री रूद्रचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ की जलभरी शोभा यात्रा गुरुवार को निकाली गई। काशी के संत बब्लु भारद्वाज के सानिध्य में आयोजित महायज्ञ की जलभरी शोभायात्रा यज्ञ मंडप से चलकर नोनहर-सूर्यपुरा पथ, बिक्रमगंज-नटवार पथ होते हुए कोल्हा गांव के पास स्थित वन सरोवर तक पहुचा। जहाँ विधि-विधान और मंत्रोच्चार से श्रद्धालु कलश में जल भर कर नोनहर गांव के मुख्य गली का भ्रमण करते हुए पुनः यज्ञ मंडप में पहुंच। जहां यज्ञाचार्य के द्वारा मंत्रोच्चार से मंडप प्रवेश और पंचांग पूजन किया गया। यज्ञ समिति के संयोजक धुमन मिश्रा, कार्यकर्त्ता रबिन्द्र सिंह, संदीप कुमार, उमेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को अग्नि मंथन के साथ यज्ञ प्रारंभ हो जाएगा। 10 जून बुधवार को पूर्णाहुति के साथ यज्ञ संपन्न होगा।

यज्ञ के दौरान प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक कथा वाचक आचार्य गौरीश पांडेय का प्रवचन एवं श्रीमद् भागवत पाठ होगा तथा रात 9 बजे से अयोध्या से आये कलाकारों द्वारा रामलीला कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

मारपीट के मामले में दोनों पक्ष की ओर से आठ लोग गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

◆ **अपने ही परिवार में मारपीट दोनों पक्ष की ओर से थाने में प्राथमिकी दर्ज, 8 गिरफ्तार**

डिहरी (रोहतास)। जिले के अकोढी गोला थाना क्षेत्र के अहिरवनपुर गांव में एक परिवार में जमकर मारपीट हुई।अहिरवनपुर निवासी राजेंद्र राम ने अपने ही रिश्तेदारों पर मारपीट का आरोप लगाया है उन्होंने काशी पासवान मंटू संतोष छोटन कल्लू मृत्युंजय सभी कैथी थाना कच्छवा के रहने पर स्थानीय थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की । वह दूसरी और किरण देवी ने अपने ही ससुर और पति पर शराब बेचने पीने का आरोप लगाते हुए मारपीट का आरोप लगाया उन्होंने अहिरवनपुर निवासी बबलू नीतीश पवन प्रमिला देवी राजेंद्र डाकू पासवान प्रीतम सावित्री देवी अवधेश की पत्नी राजेंद्र पर मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।। इस मामले में अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाईं ने बताया कि दोनों पक्ष की ओर से कांड दर्ज करते हुए दोनों पक्षों की ओर से कुल 8 व्यक्ति राजेंद्र राम, उमाशंकर पासवान, नीतीश कुमार, बबलू कुमार, मृत्युंजय कुमार, काशीपासवान, छोटन पासवान, राजेंद्र पासवान को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम प्रभात कुमार ने एनएच 120 ए पर यातायात व्यवस्था के तहत मोथा पेट्रोल पंप के पास अवैध रूप से चल रहे तीन हाईवा पकड़े

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास । जिले के काराकाट थाना क्षेत्र में बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने बुधवार देर रात रूटीन जांच के दौरान अवैध बालू लदे तीन हाईवा ट्रकों को पकड़ा। खनन इंस्पेक्टर की जांच के बाद गुरुवार को तीनों ट्रकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि एनएच 120 ए पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए ट्रकों की पार्किंग करवाई जा रही थी। इसी दौरान मोथा पेट्रोल पंप के पास अवैध रूप से चल रहे तीन हाईवा पकड़े गए। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि तीनों ट्रकों के चालान असंगत थे और एक ही चालान पर दो-दो ट्रिप चलाई जा रही थीं, जो नियमों का उल्लंघन है। घटनास्थल पर काराकाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार, काराकाट पुलिस और कछवां थाना अध्यक्ष मनीष कुमार मौजूद थे। ट्रकों को जब्त कर मोथा पेट्रोल पंप के पास रोका गया और मामले की सूचना खनन इंस्पेक्टर को दी गई। खनन इंस्पेक्टर की जांच के बाद ही गुरुवार को तीनों ट्रकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि चालान तो बनाए गए थे, लेकिन वे वैध नहीं माने गए। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए ट्रकों को जब्त कर लिया गया है। चालकों से पूछताछ में बालूघाट संचालकों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। इस संबंध में गहन अनुसंधान के बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने भी प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि करते हुए बताया कि जांच जारी है। अधिकारियों ने अवैध खनन और तस्करी को रोकने के लिए सतत निगरानी और जांच तेज रखने का आश्वासन दिया है।

आमौना पैक्स चुनाव में विशाल कुमार सिंह ने जीत की हासिल उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी संतोष कुमार उपाध्याय को 90 वोटों के अंतर से हराया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास । जिले के काराकाट प्रखंड मुख्यालय में बुधवार देर शाम अमौना पैक्स चुनाव के परिणाम घोषित किए गए। इसमें विशाल कुमार सिंह ने जीत हासिल की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी संतोष कुमार उपाध्याय को 90 वोटों के अंतर से हराया। निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि कुल 1,270 मतदाताओं में से 641 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विशाल कुमार सिंह को 313 वोट मिले, जबकि संतोष कुमार उपाध्याय को 223 वोट प्राप्त हुए। अन्य उम्मीदवारों में राजेश कुमार को 63 और ओमप्रकाश उपाध्याय को 19 वोट मिले। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और देर शाम मतगणना पूरी कर विजेता की घोषणा की गई। मतगणना के दौरान सहायक निर्वाचन पदाधिकारी व जेएसएस अनुज कुमार, एलईओ देवाशीष कुमार, एसआई योगेश कुमार और रफीक अंसारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जीत के बाद विशाल कुमार सिंह को पैक्स अध्यक्ष का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। मतदान केंद्र से बाहर निकलते ही उनके समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। विशाल कुमार सिंह ने अपनी जीत को व्यक्तिगत न बताते हुए इसे सदस्यों, किसानों और पूरे गाँव की जीत बताया। उन्होंने कहा कि वे लोगों के विश्वास पर खरा उतरने और पैक्स से जुड़ी योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करेंगे। स्थानीय लोगों ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और प्रशासनिक सहयोग की सराहना की। विजयी अध्यक्ष ने आगामी दिनों में कृषि संबंधी पहलों को बढ़ावा देने और सदस्यों को लाभ पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

भाजपा पूरे महीने चलाएगी महाभियान, मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर कार्यक्रम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार शरीफ नगर उत्तरी मंडल की मासिक बैठक गुरुवार को बबुरबन्ना मोहल्ले के सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। नगर अध्यक्ष संदीप कुमार की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक का संचालन नगर महामंत्री मोनू कुमार ने किया।

पूरे महीने चलेंगे जनसंपर्क और स्वच्छता अभियानः बैठक में बतौर मंडल प्रभारी शामिल हुए जिला मंत्री अमरेश कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मंडल से लेकर बूथ स्तर तक पूरे महीने कार्यक्रम चलेंगे। इसके तहत वृक्षारोपण, व्यापक जनसंपर्क, स्वच्छता अभियान और योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्पः 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर पार्टी विशेष तैयारी कर रही है। जिला मंत्री अमरेश कुमार ने बताया कि 05 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने अब एक जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान के तहत देशभर में अब तक 140 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार, इस पर्यावरण दिवस पर सभी भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेंगे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बैठक के दौरान ही कार्यकर्ताओं के बीच फलदार और छायादार पौधों का वितरण कर उन्हें बूथ स्तर पर लगाने का निर्देश दिया गया।

बैठक में इनकी रही उपस्थितिः इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से नगर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रेम जीत कुमार, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राजकमल पासवान, शक्ति केन्द्र प्रमुख सुनील कुमार के साथ-साथ बूथ अध्यक्ष राजदीप कुमार, अविनाश कुमार, राजेश चन्द्र दीपक, शशिकांत सिन्हा, अरविंद कुमार और कमल प्रभाकर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं को घर पर जदयू का झंडा लगाने का आदेश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी में आने वाले राजनीतिक चुनौतियों को भांपते हुए जनता दल (यूनाइटेड) ने सांगठनिक स्तर पर अपनी आक्रामक तैयारियों का बिगुल फूंक दिया है। पार्टी को जमीनी स्तर पर अभेद्य बनाने और कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंकने के उद्देश्य से आज बिसार तलाब स्थित जदयू जिला कार्यालय में महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक संपन्न हुई।

जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक में तमाम प्रखंड अध्यक्षों और नगर परिषद अध्यक्षों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन का विस्तार करना और नीतीश सरकार की नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना था।

हर घर पर लहराएगा जदयू का परचमः बैठक को कड़े और स्पष्ट लहजे में संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा ने सांगठनिक अनुशासन और दृश्यता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अब कमान संभालने का वक्त आ गया है। कुशवाहा ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी प्रखंड अध्यक्ष और नगर परिषद अध्यक्ष अविलंब अपने-अपने प्रखंड मुख्यालयों में पार्टी के सुचारू संचालन के लिए सर्व सुविधायुक्त कार्यालय खोलना सुनिश्चित करें।

घर पर अनिवार्य रूप से पार्टी का झंडा लहराने की अपीलः इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के लिए एक अनूठी रणनीति साझा की। जिला अध्यक्ष ने कड़ा निर्देश दिया कि प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक का हर एक छोटा-बड़ा कार्यकर्ता अपने घर पर अनिवार्य रूप से पार्टी का झंडा लहराए और अपने दरवाजे पर जदयू की पहचान वाली नेम प्लेट लगाए। इस कदम को राजनीतिक विश्लेषक जमीन पर पार्टी की उपस्थिति को सीधे तौर पर दर्ज कराने की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक रणनीति के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के विकास काम और पार्टी की मूल विचारधारा को जन-जन तक ले जाना हर एक की जिम्मेदारी है।

पंचायत स्तर तक मजबूत होगा किला, बांटे गए मनोनयन पत्रः संगठन को धार देने की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने सांगठनिक रूपरेखा सामने रखी। उन्होंने बताया कि प्रखंड अध्यक्षों को अविलंब प्रखंड स्तरीय और पंचायत स्तर तक कमेटियों के गठन का सख्त निर्देश दिया गया है। बैठक के दौरान सांगठनिक फेरबदल को अंतिम रूप देते हुए जिला अध्यक्ष की ओर से नव-मनोनित प्रखंड अध्यक्षों एवं नगर परिषद अध्यक्षों को उनका आधिकारिक मनोनयन पत्र सौंपा गया। इससे कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। इस महत्वपूर्ण सांगठनिक महामंथन में जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल के साथ प्रखंड अध्यक्ष पिंकी कुमारी, राजेश कुमार, धीरेंद्र वर्मा, सुरेंद्र कुमार, लक्ष्मी कुशवाहा, नीरज चंद्रवंशी, राहुल कुमार सिंह, रणविजय प्रसाद, परशुराम प्रसाद, सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को जदयू के उस मास्टरस्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है, जो बूथ स्तर पर विपक्षी दलों के समीकरणों को ध्वस्त करने की तैयारी है।

राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से अन्नदाता बदल रहे बिहार में कृषि की तकदीरः मंगल पांडेय

दलहन उत्पाद के लिए मिले 93.75 करोड़ की सौगात से बिहार के किसान बन रहे आत्मनिर्भर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। पूर्व स्वास्थ्य व कृषि मंत्री श्री मंगल पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से बिहार के कृषि परिदृश्य और किसानों की आय में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। इसके तहत दलहन उत्पादन का लक्ष्य 3.93 से बढ़ाकर 11.27 लाख टन किया गया है। इससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, 25 लाख तक की दाल मिल सब्सिडी और सुनिश्चित खरीद का बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच से केंद्र सरकार द्वारा धारातल पर फरवरी 2026 में शुरू किए गए ''राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन'' से बिहार के किसानों के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है। इस मिशन के तहत बिहार को 93.75 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि दी गई है, जिसके लिए मैं पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी का सिवान सदर समेत समस्त बिहार की जनता व विशेषकर अन्नदाता किसान भाईयों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह मिशन पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी और इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अक्टूबर 2025 को मंजूरी दी गई थी।

श्री पांडेय ने कहा कि मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित दलहन अनुसंधान केंद्र में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा फरवरी माह में बिहार के कृषि मंत्री को योजना की राशि का चेक सौंपा गया था। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि बिहार को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प है। वर्तमान में बिहार का दलहन उत्पादन 3.93 लाख मीट्रिक टन है। अगले 5 वर्षों में इसे बढ़ाकर 11.27 लाख मीट्रिक टन किया जाएगा। इससे बिहार न केवल अपनी जरूरत पूरी करेगा, बल्कि दूसरे राज्यों को भी दाल भेजेगा। बिहार की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल अरहर, चना, मसूर, उड़द और मूंग को विशेष फसल के रूप में चिह्नित किया गया है। इन फसलों पर विशेष ध्यान देकर उत्पादकता बढ़ाई जाएगी। बिहार में राष्ट्रीय स्तर का सीड हब स्थापित होगा। इससे बीज की गुणवत्ता और उपलब्धता दोनों सुनिश्चित होगी। साथ ही प्रशिक्षण, भंडारण और दाल प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना होगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा।

श्री पांडेय ने कहा कि बिहार का किसान हर साल बाढ़ और सुखाड़ से परेशान रहता है। इस मिशन के तहत दलहन फसलों के लिए कम प्रीमियम पर व्यापक फसल बीमा और मौसम जनित नुकसान पर तुरंत क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है। मैं पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी को बधाई देता हूं, जिनके अथक प्रयासों और केंद्र के साथ बेहतर समन्वय के कारण बिहार को यह बड़ी सौगात मिली है। डबल इंजन की सरकार में बिहार का चहुंमुखी विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का मंत्र आज बिहार के खेत-खलिहान तक पहुंच रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में महिला की मौत

बेगूसराय । बेगूसराय में NH-31 फोरलेन पर गुरुवार को सीमेंट लोड ट्रक से कुचलकर एक महिला की मौत हो गई। घटना लाखो थाना क्षेत्र में रमजानपुर के पास की है। मृतका की पहचान चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र स्थित खांजहांपुर गांव के रहने वाले अमरजीत महतो की पत्नी नेहा कुमारी (26) के रूप हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि हाल ही में बीएड करने के बाद नेहा शिक्षक बनने के लिए प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही थी। ससुराल दूर रहने के कारण फिलहाल वो अपने मायके बेगूसराय जिला मुख्यालय के नागदाह मोहल्ले में 2 माह के बेटे आयुष के साथ रहती और यही पढ़ाई करती थी।

जमीन देखने के लिए भाई संग स्कूटी से जा रही थी: आज वह एक जमीन देखने के लिए अपने भाई के साथ स्कूटी से जा रही थी। इसी दौरान लाखो थाना क्षेत्र में रमजानपुर के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक कुचल दिया। जिसमें नेहा की मौत हो गई, जबकि भाई घायल हो गया। घटना के बाद जुटे आसपास के लोगों ने ट्रक को खदेड़ कर पकड़ा, जिसमें ड्राइवर भाग गया, लेकिन खलासी लोगों के हत्थे चढ़ गया, जिसकी पिटाई कर दी गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही लाखो थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर ट्रक जब्त करने के साथ खलासी को लोगों के चंगुल से छुड़ाकर इलाज के लिए भेजा गया। वहीं, लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

टीएमबीयू के कुलपति आवास की दीवार गिरी

भागलपुर| टीएमबीयू के कुलपति आवास के पीछे दियारा की ओर की दीवार दो-तीन दिन पहले गिर गई है। विवि प्रशासन इसकी मरम्मत में जुट गया है। आवास को असुरक्षित मानते हुए गार्ड की तैनाती की गई है। घटना की सूचना मिलने पर रजिस्ट्रार प्रो. रामाशीष पूर्वे और इंजीनियरों की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद दीवार के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर प्रभारी कुलपति को भेज दिया गया है। साथ ही गिरी हुई ईंटों को एकत्र किया जा रहा है।

पहली जुलाई से नए डिग्री कॉलेजों में शुरू होगी पढ़ाई

भागलपुर । जिले के छह नए राजकीय डिग्री कॉलेजों में पहली जुलाई से पढ़ाई शुरू कराने की तैयारी तेज हो गई है। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने समीक्षा बैठक कर कॉलेजों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और समय पर शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि पीरपैंती, गोराडीह, खरीक, रंगराचौक, इस्माइलपुर और गोपालपुर प्रखंड में नवस्थापित डिग्री कॉलेजों को शुरू किया जाएगा। शुरुआती चरण में संबंधित क्षेत्रों के प्लस-टू विद्यालयों या अन्य उपयुक्त भवनों के 4 से 5 कमरों में कक्षाएं चलेंगी। डीएम ने चयनित कमरों की मरम्मत, फर्श, खिड़की सहित अन्य आवश्यक सिविल कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम के अभियंताओं ने सभी स्थलों का निरीक्षण और सर्वेक्षण पूरा कर लिया है। कॉलेजों के लिए बेंच-डेस्क, टेबल, कुर्सी, कंप्यूटर और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद एक ही निविदा प्रक्रिया के तहत करने का निर्णय लिया गया है। डीएम ने 15 जून तक निविदा प्रक्रिया पूरी करने और 18 जून तक सभी कॉलेजों में फर्नीचर व कंप्यूटर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप 1 जुलाई से सभी छह कॉलेजों में नियमित पढ़ाई शुरू कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों को युद्धस्तर पर काम करने को कहा गया है। बैठक में डीडीसी प्रदीप कुमार सिंह, एडीएम राजस्व दिनेश राम, जिला योजना पदाधिकारी मोनू कुमार, डीईओ राजकुमार शर्मा, बीएसआईडीसीएल के अभियंता और सभी छह कॉलेजों के प्रभारी प्राचार्य मौजूद थे।

शिक्षा में सुधार को प्रखंड स्तर पर होगी गुरु गोष्ठी

भागलपुर| शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने और शिक्षकों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक, विक्रम विरकर ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिया है कि अब प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में प्रखंड स्तर पर एक दिवसीय मासिक बैठक यानी गुरुगोष्ठी का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इस गुरुगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के बीच उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों को साझा करना है। बैठक का आयोजन चार चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में परिचय एवं ऊर्जावर्धन दूसरे चरण में समीक्षा एवं पर्यवेक्षण, तीसरे चरण में उत्कृष्ट प्रयासों की प्रस्तुति व चौथे चरण में आगामी कार्य-योजना पर चर्चा होगी। बीईओ को बैठक की सूचना और स्थान का निर्धारण कम से कम एक सप्ताह पूर्व करना होगा। बैठक के दौरान सभी प्रतिभागियों को नोटबुक और पेन के साथ सक्रिय रूप से भाग लेना होगा।

2481 स्कूलों तक पहुंचेगा ओलंपियाड का संदेश

भागलपुर । राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हिंदी और मातृभाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड एवं अमृत कुंभ सम्मान की जानकारी राज्य के सभी सरकारी व निजी विद्यालयों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। इसके तहत भागलपुर जिले के 2481 विद्यालयों में भी इस प्रतियोगिता से संबंधित सूचना भेजी जाएगी। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के उप निदेशक नीरज कुमार ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी कर कहा है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में आयोजित होने वाले हिंदी ओलंपियाड की जानकारी स्कूलों तक पहुंचाई जाए। हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता केवल भारत तक सीमित नहीं है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से इसे 25 से अधिक देशों में संचालित सीबीएसई स्कूलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय केंद्रों में भी आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार और भारतीय संस्कृति का संवर्धन करना है। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम अनुभवी शिक्षाविदों और हिंदी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। इसे हिंदी भाषा के विकास और विद्यार्थियों में भाषाई दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। साथ ही यह 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य के अनुरूप भाषा और संस्कृति के संरक्षण को भी बल देगा।

एजेंसी व गार्डों के बीच वार्ता आज, वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों पर चर्चा होगी

भागलपुर । मायागंज के सुरक्षा गार्डों और सुरक्षा एजेंसी के बीच गुरुवार को वार्ता होगी। बैठक में गार्डों की विभिन्न मांगों पर विचार किया जाएगा। सामंता एजेंसी के सुरक्षा गार्ड वेतन वृद्धि, अवकाश सहित अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर हड़ताल पर गए थे। गार्डों ने 18 मई और बीते सोमवार को भी कार्य बहिष्कार किया था। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन ने सख्त रुख अपनाया है। जानकारी के अनुसार प्रबंधन ने एजेंसी संचालक को शोकॉज जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि एजेंसी के खराब प्रबंधन के कारण अस्पताल में अफरातफरी का माहौल बना और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई। हालांकि सोमवार की हड़ताल के बाद गार्ड मंगलवार से दोबारा ड्यूटी पर लौट आए हैं। सोमवार को हड़ताल के दौरान नए और पुराने गार्डों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले थे। मामले में बरारी थाना पुलिस ने अपने बयान पर प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर में 12 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जबकि 20 से 30 अज्ञात लोगों को भी आरोपी के रूप में शामिल किया गया है। केस दर्ज होने की सूचना के बाद गार्ड कैंप में हड़कंप मचा हुआ है। कई गार्ड गिरफ्तारी की आशंका से डरे हुए हैं। जिनका नाम प्राथमिकी में नहीं है, उन्हें भी चिंता सता रही है कि कहीं अज्ञात आरोपियों की सूची में उन्हें शामिल न कर लिया जाए। सूत्रों के अनुसार नामजद आरोपी ड्यूटी पर आने से भी कतरा रहे हैं।

तत्कालीन सीओ की एक दिन का वेतन रोकी गई

भागलपुर| नाथनगर की तत्कालीन (सीओ) स्मिता झा के खिलाफ राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अनुशासनिक कार्रवाई करते हुए उनकी एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव के बिना रोक दी है। विभाग ने उन्हें कुछ आरोपों में दोषी पाते हुए यह दंड दिया है तथा उनके विरुद्ध चल रही विभागीय कार्रवाई को समाप्त कर दिया है। सरकार के उप सचिव संजय कुमार सिंह द्वारा 2 जून 2026 को जारी संकल्प के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। स्मिता झा वर्तमान में मधेपुरा जिले के पुरैनी अंचल कार्यालय में राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

ड्यूटी बेल्ट से गला घोंटकर आरपीएफ जवान की हत्या

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

धर्मेंद्र कुमार
मृतक जवान

भागलपुर । भागलपुर में ड्यूटी के दौरान RPF जवान धर्मेंद्र कुमार (48) की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में एक नया खुलासा हुआ है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि जवान की हत्या उसी बेल्ट से की गई थी, जिसे वह ड्यूटी के दौरान पहनते थे। आरोपियों के अनुसार बेल्ट से फंदा बनाकर धर्मेंद्र कुमार का गला घोंटा गया। इसके बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव पर केमिकल डाला गया। इसके बाद बॉडी को सबौर थाना क्षेत्र के शंकरपुर पुल के पास कतरिया नदी में फेंक दिया गया था। पुलिस अब आरोपियों के बयान की पुष्टि के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों को जुटाने में लगी है। मामले में पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

2 दिन बाद मिली थी जवान की बॉडी : 25 मई को RPF जवान धर्मेंद्र कुमार मालदा डिवीजन के भागलपुर-साहेबगंज रेलखंड स्थित लैलख ममलखा स्टेशन पर तैनात थे। रात 8 बजे उनकी पत्नी से आखिरी बात हुई थी। इसमें उन्होंने कहा था- स्टेशन पर मेरी अकेले ड्यूटी लगाई गई है। मेरे अलावा यहां कोई नहीं है। अगले दिन यानी 26 मई को पत्नी ने फोन किया तो बंद आया। इसके बाद अधिकारियों से शिकायत की गई। 27 मई की शाम उनका शव भागलपुर के लैलख ममलखा स्टेशन से करीब 3 KM दूर एक तालाब से बरामद किया गया। शव नग्न अवस्था में मिला। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बदमाशों ने उनकी वर्दी, मोबाइल और सोने की अंगूठी भी गायब कर दी। ताकी पहचान ना हो सके। जिस गाड़ी से जवान का शव लाया गया, उसमें तिरंगा लगा था। जवान का शव घर लाया गया तो लोगों की भीड़ जुट गई।

पत्नी से वीडियो कॉल पर हुई थी बातचीत : जवान की पत्नी रानी देवी ने बताया, 25 मई की शाम लगभग 8 बजे मेरी उनसे बात हुई थी। हम वीडियो कॉल पर थे। उन्होंने कहा था कि ड्यूटी के लिए जा रहे हैं। मुझे खाना खाकर आराम करने की बात करते हुए फोन काट कर ड्यूटी पर चले गए थे। 26 मई की सुबह जब जवान की पत्नी ने अपने पति से बातचीत करने के लिए फोन लगाया, तब उनका मोबाइल स्विच ऑफ था। काफी देर तक फोन नहीं लगने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका होने लगी। जिसके बाद मालदा स्टेशन पर रेलवे में कार्यरत एक परिजन को फोन कर घटना की जानकारी दी। रेलवे कर्मचारी ने कहलगांव पोस्ट पर RPF जवान और अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद RPF अधिकारियों ने विभाग के सीनियर ऑफिसर्स को सूचना दी। इस बीच परिजन भी ग्रामीणों के साथ जवान की तलाश करने के लिए लैलख ममलखा स्टेशन पहुंच गए।

नदी में डूबने से युवक की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय के सिमरिया गंगा घाट पर बुधवार को स्नान के दौरान 18 साल का युवक डूब गया था। आज इसकी लाश मिली है। मृतक की पहचान समस्तीपुर के सिंघिया थाना क्षेत्र स्थित डोडीघा गांव के रहने वाले निर्धन साह के बेटे बजरंगी साह के रूप में की गई है। बजरंगी साह बुधवार को अपने चार परिजनों के साथ गंगा स्नान करने के लिए सिमरिया घाट आया था। वह पुराने पुल के पास स्थित एक नंबर सीढ़ी घाट पर स्नान कर रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह अचानक गहरे पानी में चला गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा : बजरंगी को डूबता देख घाट पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर अनिल कुमार के नेतृत्व में स्थानीय गोताखोरों की टीम तुरंत हरकत में आई। लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी तेज बहाव के कारण उसका कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद आज फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जिसमें काफी कोशिश के बाद घटनास्थल से काफी दूर जाकर लाश मिली और नदी से बाहर निकाला। जैसे ही शव घाट पर लाया गया, परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही चकिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

ऐसी गलती क्यों, तीन दिन में दें स्पष्टीकरण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय । भगवानपुर प्रखंड कार्यालय कैंपस में 2024 में बने लाइब्रेरी कम रिडिंग बिल्डिंग को गिराए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बीडीओ धर्मवीर कुमार प्रभाकर से 3 दिन के अंदर इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा है। तत्कालीन राज्यसभा सांसद प्रो. राकेश सिन्हा के क्षेत्र विकास निधि से बनाए गए इस बिल्डिंग को 28 मई को गिराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए भगवानपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी धर्मवीर कुमार प्रभाकर से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण के दौरान पुस्तकालय-सह-वाचनालय भवन को ध्वस्त करने के लिए न तो मार्गदर्शन लिया गया और न ही जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी गई।

डीएम ने चिट्ठी में लिखा- कार्रवाई से सरकारी राजस्व की क्षति हुई है : डीएम ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस कार्रवाई से सरकारी राजस्व की क्षति हुई है तथा यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं की अवहेलना का मामला प्रतीत होता है। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी से पूछा है कि बिना सक्षम अनुमति एवं आवश्यक परामर्श के नवनिर्मित भवन को ध्वस्त करने कार्रवाई क्यों की गई। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर अपना विस्तृत स्पष्टीकरण समर्पित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि स्पष्टीकरण मिलने के बाद उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। डीएम के अनुसार जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी संपत्तियों एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों से संबंधित मामलों में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा। मामले की जांच-पड़ताल कर सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रंगदारी नहीं देने पर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

श्याम साह
मृतक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ **अपराधियों ने सिर में मारी 7 गोलियां, 3 दिन पहले 5 लाख की रंगदारी मांगी गई थी**

भागलपुर । भागलपुर में रंगदारी नहीं देने पर अपराधियों ने जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने कारोबारी के सिर में 7 गोलियां मारीं। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मरने वाले की पहचान गोपालपुर थाना क्षेत्र के पोखिया गांव के रहने वाले 45 साल के श्याम साह के रूप में हुई है। घटना बुधवार की रात करीब 9:30 बजे गोपालपुर के पोखरिया चौक के पास की है। श्याम साह नवगछिया से मकई बेचकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। घटना की जानकारी मिलते ही गोपालपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद नवगछिया के एसपी वैभव शर्मा, एसडीपीओ अनिकेत अमर और श्याम साह के परिजन भी पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अनुमंडलीय अस्पताल नवगछिया भेज दिया। एसपी वैभव शर्मा ने बताया कि श्याम साह के खिलाफ गोपालपुर थाना में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। परिजनों ने अब तक आवेदन नहीं दिया है। फिर भी पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में छापेमारी कर रही है। जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पत्नी बोली- पति को जान से मारने की धमकी मिल रही थी : श्याम साह की पत्नी उषा देवी ने बताया कि उनके पति को धमकी मिल रही थी। उन्हें दो बेटे हैं। बड़ा राजकुमार 10वीं और छोटा राहुल कुमार 5वीं का छात्र है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले अपराधी पीयूष यादव ने पांच लाख रुपए रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। जिस जगह पर यह हत्या हुई है, वहीं पर 5 साल पहले रंगरा के दो पशु व्यापारियों पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। इस हमले में एक पशु व्यापारी की मौत हो गई थी।

कॉस्मेटिक दुकान से 75 हजार की चोरी

अररिया । अररिया शहर के सबसे व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाके में स्थित एक कॉस्मेटिक दुकान में बुधवार देर रात चोरी की घटना हुई। अज्ञात चोरों ने दुकान का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कीमती कॉस्मेटिक सामान के साथ नकदी भी चुरा ली। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, चोरी हुई कुल राशि 70 से 75 हजार रुपये के बीच बताई जा रही है। पीड़ित दुकानदार इम्तियाज अहमद ने बताया कि उन्होंने बुधवार शाम करीब 8 बजे दुकान बंद की थी। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि उनकी दुकान का दरवाजा टूटा हुआ है। दुकान पहुंचने पर उन्होंने देखा कि अंदर रखे महंगे कॉस्मेटिक उत्पाद, क्रीम, लोशन, परफ्यूम और अन्य सामान के साथ नकदी भी गायब थी।

इम्तियाज अहमद ने तुरंत नगर थाना पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। नगर थाना पुलिस ने बताया कि पीड़ित के द्वारा आवेदन दिया गया है और जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी चोर को भी पकड़ा है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सिलीगुड़ी से मुजफ्फरपुर जा रही शराब जब्त

अररिया । अररिया में उत्पाद विभाग की टीम ने नरपतगंज थाना क्षेत्र के एनएच-27 पर जगदंबा पेट्रोल पंप के पास छापेमारी कर एक पिकअप वाहन से 954 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस कार्रवाई में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। उत्पाद अधीक्षक निरंजन कुमार झा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप अररिया होते हुए मुजफ्फरपुर की ओर जा रही है। सूचना के आधार पर मद्य निषेध सहायक अवर निरीक्षक रंजीत कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

टीम ने तुरंत घेराबंदी कर गाड़ी को रोका : फोर लेन पर वाहन चेकिंग के दौरान अररिया की ओर से आ रही पिकअप गाड़ी ने टीम को देखकर मुड़ने की कोशिश की। टीम ने तुरंत घेराबंदी कर वाहन को रोका। चालक और उसके साथी का व्यवहार संदिग्ध लगा। वाहन की तलाशी लेने पर डाला में खीरे के नीचे पॉलीथीन में छिपाकर रखी गई शराब बरामद हुई। कुल 954 लीटर विदेशी शराब और बीयर जब्त की गई। जब्त सभी शराब की बोतलों पर 'सेल फॉर सिक्किम' अंकित था, जो स्पष्ट रूप से तस्करी की ओर इशारा करता है।

शराब पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से लोड की गई थी : गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के भक्तिनगर थाना क्षेत्र, ममता पारा निवासी अर्जुन सिंह और बिहार के वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र निवासी रंजन महतो के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि शराब पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से लोड की गई थी और इसे मुजफ्फरपुर पहुंचाना था। उत्पाद विभाग ने दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। टीम अब बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं.- 19 ऑफ 2026-27/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू। मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती है।
1. निविदा सं.-26-डीडीयू-मं.इंजी.-मुख्यालय-26-27. कार्य का नाम एवं लोकेशन : सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन डीडीयू में जीएम सूट आदि के प्रावधान सहित अधिकारी विश्राम गृह, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी और सोनभवन का सुधार। 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹39916749.78, 3. धरोहर राशि : ₹798300.00, 4. ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 25.06.2026 को 12:00 बजे तक। 5. वेबसाइट पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in.
नोट :- विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक/
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/0351/डीडीयू/अभि./टी/26-27/32

पूर्व रेलवे

सूचना सं.: सिग_डब्ल्यू_5_पॉलिसी; दिनांक 02.06.2026; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, मालदा, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प.बं.) द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **ई-निविदा सं.: एमएलडीटी_एसएनटी_26-27_07_ओटी, दिनांक 02.06.2026; कार्य का नाम:** (क) डीआरएच/मालदा टाउन, साहिबगंज, भागलपुर की हेल्थ यूनिट एवं मालदा अस्पताल के कॉन्फ्रेंस रूम में टेलीमेडिसिन सुविधा का प्रावधान। (ख) सीडब्ल्यूएम/जमालपुर के अधीन वर्कशॉप रेलवे अस्पताल (डब्ल्यूआरएच) जमालपुर में टेलीमेडिसिन सुविधा का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 23,48,468.22। **बयाना राशि:** रु. 47,000। **ई-निविदा जमा करने की तारीख एवं समय:** दिनांक 10.06.2026 से 24.06.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक। **वेबसाइट विवरण एवं सूचना पट्ट:** वेबसाइट **www.ireps.gov.in** सूचना पट्ट: सीनियर डीएसटीई कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग, मालदा।

(MLD-75/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.[LE])-2026/04 दिनांक- 04.06.2026

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] - 2026 [D.E.C.E. (L.E.)-2026] के परीक्षाफल से सम्बन्धी आवश्यक सूचना

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश)-2026 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों, सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.05.2026 को आयोजित डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश)-2026 [डी.ई.सी.ई.(एल.ई.)-2026] का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।
2. **DECE(LE)-2026** के परीक्षाफल के आधार पर पात्रता-प्राप्त सभी अभ्यर्थी पर्षद के उक्त **Website** पर जाकर **"Rank Card of DECE(LE)-2026" Link** पर **Click** करने के बाद अपना **Roll No.** एवं जन्म तिथि डालकर अपना **Rank Card Download** कर प्राप्त कर लें।
3. **Online** कॉउन्सेलिंग कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी।

परीक्षा नियंत्रक

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2026/05 दिनांक- 04.06.2026

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2026
Industrial Training Institute Competitive Admission Test (I.T.I.C.A.T.)-2026

परीक्षाफल से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2026 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों, सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.05.2026 को आयोजित ITICAT-2026 का Open / District wise पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों का Rank Card बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।
2. अभ्यर्थी पर्षद के उक्त Website पर जाकर "Rank Card of ITICAT-2026" Link पर Click करें। तत्पश्चात् एक नया Page प्रदर्शित होगा जिसमें Open / District wise अभ्यर्थियों का Rank Card Download करने हेतु अलग-अलग निम्नलिखित link
- View / Download **District wise Rank Card of ITICAT-2026**
- View / Download **Open Merit Rank Card of ITICAT-2026** प्रदर्शित होगा।

अभ्यर्थी अपने District / Open Merit Rank के link पर click करने के बाद अपना Roll No. एवं जन्म तिथि डालकर अपना Rank Card Download कर प्राप्त कर लें।
3. **Online Counselling** कार्यक्रम की सूचना यथासमय प्रकाशित की जायेगी।

परीक्षा नियंत्रक

संक्षिप्त समाचार

सहकारिता योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

आरा । आरा समाहरणालय सभागार में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक हुई। जिसका निर्देशन जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने किया। बुधवार को हुई बैठक में जिले में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। पैक्स कम्प्यूटरीकरण, बहुउद्देशीय पैक्स के विकास, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस में आंकड़ों की प्रविष्टि तथा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा पैक्सों में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), जन औषधि केंद्र तथा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। अपर समाहर्ता ने विकेन्द्रीकृत अन्न भंडारण योजना, पैक्सों में पेट्रोल-डीजल आउटलेट की स्थापना, सहकारी बैंकों में आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के संचालन तथा राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्यीय सहकारी समितियों की सदस्यता से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं सहकारी संस्थाओं को अधिक सक्रिय और बहुउद्देशीय बनाने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा के दौरान अपर समाहर्ता ने विकेन्द्रीकृत अन्न भंडारण योजना एवं पैक्सों में पेट्रोल-डीजल आउटलेट की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जिला सहकारिता पदाधिकारी लवली कुमारी को सिविल सर्जन शिवेंद्र कुमार सिन्हा के साथ समन्वय स्थापित कर पैक्सों में जन औषधि केंद्रों के संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने डेयरी, पशुपालन एवं मत्स्य विकास से जुड़ी सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी नीरज कुमार,जिला सहकारिता पदाधिकारी लवली कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थें। भास्कर इंसाइट भोजपुर में सहकारिता क्षेत्र अब सिर्फ धान-गेहूं खरीद तक सीमित नहीं रह गया है। सरकार पैक्सों को बहुउद्देशीय केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। जन औषधि केंद्र, सीएससी, पेट्रोल पंप, अन्न भंडारण और डेयरी गतिविधियों के जुड़ने से गांवों में रोजगार और सेवाओं की उपलब्धता बढ़ सकती है।

डीएम ने की फार्मर रजिस्ट्रेशन और सहयोग शिविर की प्रगति की समीक्षा

आरा । जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में बुधवार को जूम मीटिंग के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्रेशन व सहयोग शिविर से संबंधित कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी कृषि समन्वयक व कृषि सलाहकार के माध्यम से अगले दिन कम से कम 1000 किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही सभी अंचल अधिकारियों को दाखिल-खारिज, परिमार्जन, खेसरा त्रुटि व नाम मिलान से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 2 जून को आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त सभी आवेदनों का 24 घंटे के भीतर डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए और संबंधित विभाग समानांतर तरीके से प्राप्त आवेदनों को निष्पादित करना सुनिश्चित करे। आगामी 16 जून को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर को लेकर जिलाधिकारी ने केंद्रीकृत आवेदन प्राप्ति प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया।

सहयोग शिविरों के लिए प्रतिनियुक्त 42 पदाधिकारियों को दिए गये दिशा- निर्देश : लोगों तक पहुंचाने के लिए जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका, विकास मित्र और अन्य क्षेत्रीय कर्मियों के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क व प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ताकि अधिकाधिक लोग शिविरों में पहुंचकर सरकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने सहयोग शिविरों के लिए प्रतिनियुक्त 42 पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने पंचायतों में प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन व निष्पादन कार्यों की नियमित निगरानी करें।

भुगतान नहीं मिलने और बढ़ती लागत के खिलाफ संवेदकों ने खोला मोर्चा

आरा । शहर के होटल पार्वती चंद्रा में बुधवार को भोजपुर संवेदक संघ की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के लंबित भुगतान, निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतों और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर संवेदकों ने नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर न्यायालय की शरण ली जाएगी। बैठक की अध्यक्षता भोजपुर संवेदक संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार त्रिपाठी तथा संचालन निर्मल कुमार सिंह शुक्रवार ने किया। मनोज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरआरएसएमपी योजना के तहत 100 करोड़ और 200 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले गए थे, जिनमें क्रमशः 100 और 50 सड़कों के पैकेज बनाए गए थे। संवेदकों ने लगभग एक वर्ष पहले ही सभी सड़कों को यातायात योग्य बना दिया था, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि एग्रीमेंट के अनुसार कार्य पूरा कर दिया गया है, फिर भी नवंबर-दिसंबर 2025 से भुगतान लंबित है। इसके विपरीत विभाग द्वारा संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने की धमकी दी जा रही है, जो अनुचित है। वक्ताओं ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण अलकतरा (कोलतार) और इमल्शन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। गया से गिट्टी की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से अधिक भाड़ा देकर गिट्टी मंगानी पड़ी। इसके बावजूद संवेदकों ने कार्य पूरा किया। उन्होंने मांग की कि बढ़ी हुई लागत का समुचित भुगतान किया जाए। साथ ही कहा कि उत्तर प्रदेश में ऐसी परिस्थितियों में अतिरिक्त लागत का भुगतान किया जा रहा है, जबकि बिहार में ऐसा नहीं हो रहा। संवेदकों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मिलकर अपनी मांगें रखने का निर्णय लिया। बैठक में मनोज कुमार त्रिपाठी, निर्मल कुमार सिंह शुक्रवार, जीतू सिंह, नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र कुमार राय, सुरेंद्र सिंह, शशि सिंह, विजयंत सिंह, रोहित सिंह, विवेक सिंह, अशोक यादव, अशोक कुमार, अमरनाथ सिंह आदि थे।

बुलडोजर चलाने का आरोप, माले ने 12 जून को धरना का किया ऐलान

आरा । भाकपा माले के राज्य कमेटी सदस्य एवं आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने, आरा के धनुपरा बाधार में गरीब परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने का आरोप लगाते हुए, भाजपा सरकार और प्रशासन की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। बुधवार को जारी प्रेस बयान में क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि धनुपरा बाधार में करीब 10 गरीब परिवारों के घरों को तोड़ दिया गया है। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाना भाजपा सरकार की पहचान बन गई है। माले नेता ने कहा कि भोजपुर प्रशासन शहर के विभिन्न इलाकों में गरीबों को उजाड़ने की कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक पखवारे के दौरान घरहरा, अंबेडकर कॉलोनी, पकड़ी, शीतलटोला मुसहरी और धनुपरा सहित कई स्थानों पर गरीबों के घरों को ध्वस्त किया गया है। क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि इस कथित बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में भाकपा माले अभियान चला रही है। इसी क्रम में 12 जून 2026 को आरा अंचल कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धरना के माध्यम से उजाड़े गए गरीब परिवारों के पुनर्वास और उन्हें दोबारा बसाने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी।

शादी की नीयत से युवती का अपहरण, मामला दर्ज

बक्सर । शहर के नेहरू नगर की रहने वाली 1 महिला ने अपनी पुत्री के कथित अपहरण को लेकर टाउन थाना में एक युवक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि आवेदन में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है तथा युवती की बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। दर्ज शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। मामले में सुजीत कुमार नामक युवक को आरोपित बनाया गया है। महिला के अनुसार, करीब 7-8 दिन पहले उसकी पुत्री अचानक घर से लापता हो गई।

दो बच्चों की मौत के बाद ग्रामीणों का सड़क जाम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर में थर्मल पावर प्लांट के कोल डिपो के पास मंगलवार को 2 बच्चों की मौत के बाद गुरुवार को महादलित बस्ती के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कोयला लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य बंद करा दिया और प्लांट में कोयला ले जाने वाले मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी मृत बच्चों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा और प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को प्लांट में नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे CISF के जवान और अन्य अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे।

2 बच्चे एक पुलिया में छिपने चले गए थे : जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार को हुई थी। कोल डिपो के पास खेलते हुए दो बच्चे एक पुलिया में छिपने चले गए थे। इसी दौरान वे वहां मौजूद कटे हुए बिजली के तार की चपेट में आ गए और पानी में गिर गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृत बच्चों की पहचान महादलित बस्ती निवासी ढोंढा मुसहर के 10 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार और दिमागी मुसहर के 12 वर्षीय पुत्र सुभाष कुमार के रूप में हुई है। दोनों बच्चे बेहद गरीब परिवारों से थे, जिनके परिजन मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

कोल डिपो पहुंचे ग्रामीण और कामकाज ठप कराया : स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद संबंधित ठेकेदार ने दोनों परिवारों को 10-10 हजार रुपये देकर मामले को शांत कराने का प्रयास किया था। हालांकि उस समय परिजन गहरे सदमे में थे, लेकिन बाद में ग्रामीणों में इसको लेकर नाराजगी बढ़ गई। इसी के विरोध में गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग कोल डिपो पहुंचे और कामकाज ठप करा दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रंजन राय ने कहा कि दो मासूम बच्चों की जिंदगी की कीमत 10-10 हजार रुपये नहीं हो सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि प्लांट और उससे जुड़े कार्यों से कई प्रभावशाली लोग लाभान्वित हो रहे हैं, लेकिन गरीब परिवारों की पीड़ा को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और रोजगार नहीं दिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । नगर के व्यस्त गोला बाजार इलाके में मंगलवार रात करीब 10:30 बजे अचानक एक किराना दुकान में भीषण आग लग गई। घटना पोस्ट ऑफिस के ठीक सामने स्थित व्यवसायी लल्लू केशरी की किराना दुकान में हुई। इस घटना से लाखों के नुकसान का अनुमान है। दुकान से उठती आग की तेज लपटों और धुएं को देखकर आसपास के लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। कुछ ही देर में पूरे बाजार क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटने लगे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। घटना के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। आग तेजी से फैलती दिखी। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर नियंत्रण पाने के लिए अभियान शुरू किया गया। देर रात तक दमकल कर्मी लगातार आग बुझाने के प्रयास में जुटे रहे। देर रात आग पर काबू पाया गया।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली रैली, पर्यावरण और स्वास्थ्य का दिया संदेश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली माय युवा भारत बक्सर एवं मां निर्मला देवी फाउंडेशन, चरित्रवन के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई। रैली का शुभारंभ नाइलिट बक्सर से हुआ। यह शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए डीएवी विद्यालय तक पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में युवा मंडल और मां निर्मला देवी फाउंडेशन के सदस्यों के साथ-साथ सफलता एक्सप्रेस कोचिंग के युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 50 से अधिक उत्साही प्रतिभागी शामिल हुए। वे हाथों में जागरूकता संदेश लिए साइकिल चला रहे थे। कार्यक्रम का उद्घाटन एमवी कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रास बिहारी शर्मा ने किया। अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद ने की।

अब आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस में भी मोबाइल नंबर अपडेट अनिवार्य

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । अगर आप वाहन चालक हैं और अभी तक अपने ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं कराया है, तो अब सतर्क हो जाने का समय आ गया है। परिवहन विभाग ने इस दिशा में बड़ा और सख्त कदम उठाया है। नए नियम के तहत अब बिना मोबाइल नंबर अपडेट किए किसी भी वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने पर वाहन मालिकों को एक साथ दो-दो चालान का सामना भी करना पड़ सकता है। इसकी जानकारी जिला परिवहन पदाधिकारी राजकुमार ने दी है। डीटीओ ने बताया कि बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां वाहन चालकों का चालान कटने के बावजूद उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं मिल पाती। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन रजिस्ट्रेशन में दर्ज मोबाइल नंबर या तो पुराना होता है या गलत। ऐसे में चालान का मैसेज वाहन मालिक तक पहुंच ही नहीं पाता। आरसी में नंबर अपडेट न रहने की स्थिति में वाहन चालक न तो समय पर चालान जमा कर पाते हैं, न ही उन्हें नियम उल्लंघन की जानकारी मिलती है। नतीजतन, उन पर अतिरिक्त जुर्माना लग सकता है। दोबारा चालान भी कट सकता है। परिवहन विभाग ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नया नियम लागू किया है। अब प्रदूषण प्रमाणपत्र बनवाने के लिए वाहन मालिक का मोबाइल नंबर सिस्टम में अपडेट होना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि नंबर अपडेट नहीं होगा, तो प्रदूषण जांच केंद्र से पीयूसी जारी नहीं किया जाएगा। इस फैसले का उद्देश्य वाहन चालकों को समय पर जानकारी देना है। नियमों के पालन को सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। चालान से जुड़ी समस्याओं में कमी आएगी। आरसी और डीएल में मोबाइल नंबर अपडेट रखना अनिवार्य है। इसकी प्रक्रिया भी बेहद सरल है। इससे वाहन से जुड़े हर प्रकार के संदेश प्राप्त होते रहेंगे जिससे वाहन मालिक को सभी गतिविधियों की सामयिक जानकारी मिलती रहेगी। वाहन मालिकों को जागरूक बनाने की दिशा में कदम विभाग का मानना है कि यह कदम वाहन चालकों के हित में उठाया गया है। इससे उन्हें चालान, टैक्स, बीमा और अन्य जरूरी सूचनाएं समय पर मिलती रहेंगी। यदि वाहन मालिक इस नियम को नजरअंदाज करते हैं, तो उन्हें भविष्य में कई तरह की प्रशासनिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी वाहन स्वामियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने दस्तावेजों में दर्ज मोबाइल नंबर की जांच करें।

नो-इंट्री और ओवरटेकिंग पर नहीं लग रही लगाम, बढ़ रही दुर्घटना और जाम की समस्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोईलवर । नगर पंचायत कोईलवर क्षेत्र में यातायात नियमों की लगातार अनदेखी किए जाने से सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस चेकपोस्ट और निगरानी व्यवस्था के बावजूद ट्रक चालक नो-इंट्री का उल्लंघन करने और खतरनाक तरीके से ओवरटेकिंग करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं और जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों में वार्ड पार्षद अरविंद सिंह, धनंजय कुमार व प्रेम कुमार, राकेश शर्मा, संजीत रजक ,अजित कुमार सिंह, नीरज सिंह, धर्मेन्द्र झा, पूर्व नगर अध्यक्ष विरमन्यु यादव सहित कई गणमान्य के अनुसार कोईलवर-छपरा मार्ग तथा झलकुनगर-कोईलवर सड़क पर यह समस्या सबसे अधिक देखने को मिल रही है। भारी वाहनों के चालक निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए प्रतिबंधित समय में भी सड़कों पर प्रवेश कर रहे हैं, जिससे छोटे वाहनों और पैदल यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नेशनल हाईवे-922 पर थाना मोड़ के समीप कई वाहन चालक सड़क डिवाइडर पार कर गलत दिशा में आवाजाही करते देखे जाते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। वहीं पटना की ओर से बालू लोड करने के लिए जाने वाले ट्रकों पर भी नियमों के उल्लंघन के आरोप लग रहे हैं। बताया जाता है कि कई ट्रक नो-इंट्री क्षेत्र में प्रवेश कर यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। इसके कारण मुख्य सड़कों पर जाम लगने के साथ-साथ आम लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से नो-इंट्री और ओवरटेकिंग नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लोगों का मानना है कि प्रभावी निगरानी और कड़ी कार्रवाई से ही दुर्घटनाओं तथा जाम की समस्या पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बीच-बचाव करने गए युवक के घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नुआंव गांव में आपसी विवाद में बीच-बचाव करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। मंगलवार रात गांव में उस समय दहशत फैल गई, जब बदमाशों पर एक घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग करने का आरोप लगा। गोलियों की आवाज से आसपास के लोग सहम गए। पुलिस घटनास्थल से खोखे और गोली बरामद कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित नुआंव निवासी गोविंद कुमार मिश्र ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि मंगलवार रात करीब नौ बजे बभनी निवासी सुशांत तिवारी और नुआंव निवासी सतेंद्र सिंह उनके घर के बाहर पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने वहां पहुंचते ही तीन राउंड फायरिंग की। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। ग्रामीणों की हलचल बढ़ते देख आरोपित मौके से फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार कुछ दिन पहले पसहरा और बभनी के दो युवकों के बीच विवाद हुआ था। उस दौरान उन्होंने मामले को शांत कराने की कोशिश की थी। दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास भी किया था। आरोप है कि उसी घटना के बाद से कुछ लोग उनसे नाराज चल रहे थे। उनका कहना है कि पुरानी रंजिश के कारण ही उनके घर के बाहर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया। दो गोलियां और एक खोखा मिला पुलिस ने घटनास्थल से दो फायर की गई गोलियां और एक खोखा बरामद किया है। मामले में दो नामजद आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।आउटपोस्ट प्रभारी गुड्डू चौधरी ने बताया कि जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है, उसके बारे में अपराधी प्रवृत्ति का होने की जानकारी मिली है। हाल ही में उसके जेल से बाहर आने की सूचना भी मिली है।

रामरेखा घाट की सीढ़ियों से नहीं हटी सिल्ट, श्रद्धालुओं को भारी परेशानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । ऐतिहासिक व धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रामरेखा घाट पर नगर परिषद की घोर लापरवाही दिख रही है। बीते वर्ष गंगा में आई बाढ़ के बाद घाट की सीढ़ियों पर जमी मोटी सिल्ट (मिट्टी और बालू की परत) आज तक पूरी तरह से साफ नहीं की जा सकी है। इसके कारण घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि नगर परिषद शहर की संपूर्ण सफाई और गंगा घाटों के रखरखाव पर हर महीने लगभग 1.16 करोड़ रुपए खर्च करती है। बावजूद धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों की मानें तो नगर परिषद द्वारा सफाई के लिए अधिकृत एनजीओ ने सीढ़ियों से आधी-अधूरी सिल्ट हटाकर सिर्फ कोरम पूरा कर लिया है, जबकि मुख्य सीढ़ियों और घाट के बड़े हिस्से पर अभी भी मिट्टी जमी है। "एनजीओ को घाट की सीढ़ियों से सिल्ट हटाने का निर्देश दिया गया था, अगर पूर्ण रूप से सिल्ट नहीं हटाया गया है तो कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी' बक्सर सिल्ट के कारण फिसलन की समस्या सिल्ट के कारण सीढ़ियों पर जबरदस्त फिसलन रहती है। उस तरफ बुजुर्गों और महिलाओं के लिए गंगा में उतरना खतरे से खाली नहीं है। भीड़ के समय यहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय दिलीप कुमार, संजय मिश्र, राजकुमार आदि ने बताया कि भारी-भरकम राशि खर्च के बावजूद नगर परिषद की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं । उन्होंने कहा कि बक्सर की पहचान माने जाने वाले रामरेखा घाट की यह दुर्दशा क्यों है? उन्होंने नगर परिषद के मुख्य पार्षद से मांग की है कि आगामी पर्वों को ध्यान में रखते हुए अविलंब घाट से सिल्ट हटाने का कार्य कराया जाय।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिले को कॉलेज अधिकृत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने सत्र, 2026-27 में व्यावसायिक (वोकेशनल) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कॉलेजों को अधिकृत किया है। इस बाबत भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले के सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूर्व से जिन कॉलेजों में राज्य सरकार द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सीटें आवंटित हैं, वही कॉलेज आगामी सत्र में उन आवंटित सीटों पर नामांकन कर सकेंगे। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो ओपी राय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि यदि कोई कॉलेज सरकार द्वारा स्वीकृत एवं आवंटित सीटों से अधिक छात्र छात्राओं का दाखिला किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में करते है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित कॉलेज के प्राचार्य की होगी। निर्धारित सीटों से अधिक नामांकन करने की स्थिति में संबंधित कॉलेज के विरुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय ने सभी प्राचार्यों को इस निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। इस आदेश के बाद व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और नियमानुसार संचालित होने की उम्मीद जताई जा रही है। स्नातक स्तर पर बीबीए और बीसीए की होती है पढ़ाई गौरतलब हो कि विश्वविद्यालय के 21 अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में स्नातक स्तर पर बीबीए और बीसीए की पढ़ाई होती है। सरकार के निर्देश के आलोक में सभी कॉलेज एआईसीटीई से भी जुड़ गये है। सरकार ने इससे जुड़ना अनिवार्य किया था। विश्वविद्यालय के 21 अंगीभूत और संबद्ध कॉलेज में संचालित वोकेशनल कोर्स में कुछ जगह बीसीए में 120 सीटें तो कुछ जगह 90,60 और 30 सीटें है।कॉलेजों में संचालित बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रम में दाखिला होना है।

संक्षिप्त समाचार

घर-घर पहुंचेंगी मोदी सरकार की 12 साल की उपलब्धियां:एक पेड़ मां के नाम'

मसौढ़ी! केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के विधान सभा संयोजक संजय केशरी के नेतृत्व में आज वृक्षारोपण का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने लोगों से अपील की है कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे विधानसभा में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण अवश्य करें।उन्होंने ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें,जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में गरीब और जरूरतमंद लोगों की हरसंभव सहायता करें, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया गहरा शोक

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मुजफ्फरपुर स्थित प्रसाद अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। इस हादसे में कई मरीजों की मृत्यु तथा अनेक लोगों के घायल होने की घटना को उन्होंने अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया। अपने शोक संदेश में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल में आग लगने से हुई जनहानि की सूचना से वे अत्यंत मर्माहत हैं। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि मृत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। डॉ. प्रेम कुमार ने हादसे में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी घायल जल्द स्वस्थ होकर अपने परिवारों के बीच लौटेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं पूरे समाज को झकझोर देती हैं। उन्होंने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से घायलों के बेहतर उपचार एवं प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की। गौरतलब है कि मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल में गुरुवार तड़के आग लगने से कई लोगों की जान चली गई, जबकि अनेक मरीज घायल हो गए। घटना के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है और विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का संदेश

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून 1972 को इस दिवस की आधिकारिक घोषणा की गई थी, जबकि इसका पहला आयोजन वर्ष 1973 में किया गया था। तब से यह दिवस पूरी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज विश्व प्रदूषण, जनसंख्या वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और वन्यजीवों पर बढ़ते खतरे जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण मानव जीवन के अस्तित्व, विकास और समृद्धि के मूल आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण न केवल वर्तमान पीढ़ी की जरूरत है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है। विधानसभा अध्यक्ष ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, जैव विविधता की रक्षा करने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयास करे तो धरती को हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

वैशाली के पातेपुर सीएचसी में नवजात की मौत

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। बुधवार देर रात अस्पताल में प्रसव के बाद समय पर इलाज न मिलने के कारण एक नवजात शिशु की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह महज दो दिन के भीतर नवजात की मौत का दूसरा मामला है, जिसने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पातेपुर के इमादपुर निवासी विक्रम कुमार की गर्भवती पत्नी दौलत देवी को बुधवार देर रात करीब 1 बजे प्रसव पीड़ा होने पर पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। भर्ती होने के कुछ ही देर बाद महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। जन्म के समय नवजात का वजन सामान्य से कम था, लेकिन जच्चा और बच्चा दोनों की स्थिति नियंत्रण में बताई गई थी। कुछ समय बाद कम वजन होने के कारण नवजात की स्थिति बिगड़ने लगी। ड्यूटी पर तैनात एएनएम (ANM) और ममता कार्यकर्ता ने इसकी सूचना तुरंत ऑन-ड्यूटी डॉक्टर को दी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने खुद मरीज को देखने आने के बजाय एएनएम से रजिस्टर मंगवाया और बिना जांच किए ही नवजात को सदर अस्पताल, हाजीपुर के लिए रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है कि "बच्चा जब पैदा हुआ तो रो रहा था। कुछ देर बाद उसने रोना बंद कर दिया। नर्स नीचे से रेफर का पुर्जा लेकर आई और कहा कि डॉक्टर साहब ने हाजीपुर रेफर कर दिया है। जब डॉक्टर देखने ही नहीं आए, तो उन्होंने किस आधार पर रेफर किया? क्या रेफर करने से पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी?" परिजन जब नवजात को लेकर आनन-फानन में सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे, तो वहां के डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्चे की धड़कन रुक चुकी है और उसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आक्रोशित परिजन मृत बच्चे को लेकर वापस पातेपुर अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों की संवेदनहीनता के खिलाफ जमकर हंगामा काटा।

फायरिंग की आवाज सुन बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक महिला को गोली लग गई। इस घटना में गोलीबारी की आवाज सुनकर एक बुजुर्ग व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घायल महिला की पहचान 45 वर्षीय गीता देवी के रूप में हुई है, जो तेज नारायण सिंह की पत्नी हैं। उन्हें बाईं ओर सिर में गोली लगी है। घटना के बाद उन्हें तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोलीबारी की आवाज सुनकर 65 वर्षीय राजदेव सिंह को हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजदेव सिंह स्वर्गीय जुलुम धारी सिंह के पुत्र थे। मृतक राजदेव सिंह किसान थे और खेती करते थे। वह अपने तीन भाइयों व एक बहन में सबसे बड़े थे। उनके दो बेटे और चार बेटियां हैं। इस मामले में अनिल सिंह के पुत्र मनीष कुमार को आरोपी बनाया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटनास्थल से लगभग 10 राउंड गोली चलने के निशान मिले हैं। पुलिस ने मौके से पांच खाली खोखे और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। मामले की जांच पड़ताल जारी है। घटनास्थल पर FSL (फोरेंसिक साइंस लैब) टीम बुलाई गई है, जो जांच के लिए सैंपल एकत्र कर रही है। यह जमीनी विवाद जयचन सिंह (40) और तेज नारायण सिंह (डीलर) के बीच चल रहा था। तेज नारायण सिंह के परिजनों ने बताया कि यह विवाद उनकी पुश्तैनी जमीन को लेकर था, जिस पर 6 महीने पहले कोर्ट का फैसला उनके पक्ष में आया था। जिस जमीन पर विवाद चल रहा था, वह एक बथान (पशुओं के रहने का स्थान) है।

विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा को लेकर अनुमंडल कार्यालय में बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पालीगंज। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल कार्यालय में गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) चंदन कुमार की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा एवं जनसमस्याओं के समाधान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान पालीगंज, दुल्हिन बाजार और बिक्रम प्रखंडों में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आम लोगों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी), भूमि सुधार, जन वितरण प्रणाली, शिक्षा, बिजली एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों और विकास कार्यों की स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया।

जनप्रतिनिधियों की शिकायतें सुनी गईं: बैठक के दौरान एसडीएम चंदन कुमार ने अनुमंडल क्षेत्र के तीनों प्रखंडों से आए जिला पार्षदों, मुखियाओं, पंचायत समिति सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों से एक-एक कर उनकी समस्याएं और शिकायतें सुनीं। जनप्रतिनिधियों द्वारा सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, राशन वितरण और भूमि संबंधी मामलों को प्रमुखता से उठाया गया। प्राप्त शिकायतों को लिखित रूप में दर्ज किया गया और

अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। एसडीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दे सीधे जनता से जुड़े हैं, इसलिए इनके समाधान में प्राथमिकता बरती जाएगी।

विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश: बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए एसडीएम ने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर विकास कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीएम चंदन कुमार ने बैठक के बाद बताया कि विकास कार्यों की समीक्षा और जनसमस्याओं के समाधान के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सभी लिखित शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

बड़ी संख्या में अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद: बैठक में पालीगंज डीएसपी-1 राजीव चंद्र सिंह, डीएसपी-2 पंकज कुमार शर्मा, भूमि उपसमाहर्ता जनक कुमार, प्रखंड प्रमुख अनिशा देवी, उप प्रमुख धर्मेंद्र यादव, बीडीओ सुशील कुमार, विद्युत विभाग के कनीय अभियंता बिपिन बिहारी लाल, अंचलाधिकारी महेश कुमार, जिला पार्षद शिवकुमार सिंह यादव, मुखिया निकेश कुमार, जुबेदा खातून, पंचायत समिति प्रतिनिधि संजय दास, पीएचईडी के सहायक अभियंता दिलीप कुमार, कनीय अभियंता बृजेश कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद, पालीगंज पीएचसी प्रभारी डॉ. बिपिन कुमार, सहायक प्रभारी दीपक कुमार, मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार सहित तीनों प्रखंडों के बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बालू-गिट्टी के कमीशन विवाद में चलीं गोलियां, 12 वर्षीय बच्ची समेत तीन घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। जिले के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव में गुरुवार सुबह बालू-गिट्टी आपूर्ति में कमीशनखोरी को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच 10 से अधिक राउंड फायरिंग हुई। गोलीबारी में एक 12 वर्षीय बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बालू-गिट्टी की सप्लाई और उससे जुड़े कमीशन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। कुछ ही देर में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गोलियां चलने लगीं। अचानक हुई फायरिंग से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिप गए।

फायरिंग की घटना में विकास कुमार की 12 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी, अरुण सिंह की पत्नी सोना देवी (50 वर्ष) तथा रविंद्र प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार (26 वर्ष) घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सोना देवी के पैर में गोली लगी है, जबकि दीपक कुमार के पेट में गोली लगने से उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं नेहा कुमारी भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल खुसरूपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए खुसरूपुर थाना पुलिस ने गांव में मोर्चा संभाल लिया है। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल चैनपुर गांव में कैंप कर रहा है। पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और फायरिंग में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला बालू-गिट्टी आपूर्ति और कमीशन के विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना से चैनपुर गांव के लोग सहमे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही फायरिंग की आवाज सुनकर पूरे गांव में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। महिलाएं और बच्चे भयभीत होकर घरों में छिप गए थे। कई परिवारों ने घंटों तक अपने दरवाजे बंद रखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना ने गांव की शांति और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में स्थायी रूप से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात रखा गया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने सीएम से भेंट कर रखी अपनी बात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने लोकसेवक आवास पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी से भेंट कर दो महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी।

मुलाकात के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने 'अमृत-तुल्य मेडिकल कैशलेस कार्ड' योजना पर मुख्यमंत्री जी को बधाई पत्र फोटो फ्रेम में सप्रेम भेंट किया। बधाई पत्र में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सरकारी कर्मियों, राजनेताओं एवं उनके परिवारों के लिए 'अमृत-समान मेडिकल कैशलेस कार्ड' जारी करने का निर्णय वास्तव में ऐतिहासिक है। यह 'स्वर्णिम सम्राट युग' में त्वरित, पारदर्शी और सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराकर 'सेवा ही संकल्प' के आदर्श को नई ऊर्जा देगा। यह कदम बिहार के इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में चिरस्मरणीय रहेगा। एसोसिएशन के समस्त वर्तमान एवं पूर्व सदस्यगण तथा उनके परिवारों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति कोटि-कोटि आभार व्यक्त किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में बिहार में सुशासन और सुदृढ़ हुआ है। पुलिस बल आज आपके दिशा-निर्देश में पूरी निष्ठा से अपराध नियंत्रण के लिए कार्य कर रहा है। आपके दृढ़ प्रशासनिक निर्णयों से आज अपराधियों में भय व्याप्त है और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। जनहित में लिए गए आपके निर्णय, कुशल नेतृत्व और कर्मठता से बिहार को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने का आपका संकल्प धरातल पर दिखाई दे रहा है। बिहार चहुंमुखी

विकास के मार्ग पर तीव्र गति से अग्रसर है।

दूसरे विषय में प्रदेश अध्यक्ष ने पटना स्थित 2, मैग्नल्स रोड पर बिहार पुलिस एसोसिएशन प्रांगण में गेस्ट हाउस सह डॉर्मेट्री निर्माण की स्वीकृति का दो दशक पुराना अनुरोध रखा, जो विभाग द्वारा प्रक्रियाधीन है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पुलिस बल के कल्याण के प्रति मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को देखते हुए इस जनहितकारी प्रस्ताव पर त्वरित निर्णय होगा और गेस्ट हाउस का शिलान्यास आपके कर-कमलों से अतिशीघ्र संपन्न होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पटना में भव्य स्वागत, संगठन विस्तार और 'गोल 2026' पर हुआ मंथन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का गुरुवार को पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और नेताओं ने फूल-मालाओं तथा जोरदार नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी समेत हाल ही में निर्वाचित प्रदेश पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस सांगठनिक दौरे को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन ने पहली बार बिहार भाजपा के नव निर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक 'गेट-टुगेदर' और सामूहिक बैठक की। प्रदेश कार्यालय के सभागार में आयोजित इस बैठक में संगठन को नई दिशा देने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में नितिन नवीन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई देते हुए

कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करने को लेकर विशेष रणनीति तैयार की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की ताकत उसका मजबूत संगठन और जमीनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने प्रत्येक पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहते हुए बूथ समितियों को सशक्त बनाने और नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने जनसंपर्क अभियान को और तेज करने, समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बढ़ाने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने पर बल दिया। साथ ही कार्यकर्ताओं और नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक में आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी रणनीति पर भी गंभीर चर्चा हुई। विशेष रूप से पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों के साथ-साथ बिहार में आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पार्टी नेतृत्व ने 'गोल 2026' को ध्यान में रखते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों की ऊर्जा, अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का अधिकतम उपयोग कर भाजपा को बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक और अधिक सशक्त बनाया जाए।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा का अनुशासित संगठन और समर्पित कार्यकर्ता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने का संगठन नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाली विचारधारा आधारित पार्टी है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को जनता के साथ सतत संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बैठक को भाजपा के आगामी राजनीतिक अभियानों, संगठनात्मक विस्तार और वर्ष 2026 के लक्ष्य को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के बल पर भाजपा आने वाले समय में और अधिक मजबूती के साथ जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

विधायक अनंत सिंह के नंदवां गांव में गीदड़ का हमला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव नदावाँ में बुधवार को एक गीदड़ ने अचानक आतंक मचा दिया। दिनदहाड़े गांव में घुसकर उसने कई लोगों पर हमला कर दिया, जिससे छह लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और लोग डर के साये में हैं।

कुछ ही मिनटों में छह लोग हुए घायल: जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय ग्रामीण अपने घरों में आराम कर रहे थे या गली-मोहल्लों में मौजूद थे। इसी दौरान खेतों की ओर से एक गीदड़ गांव में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गीदड़ असामान्य रूप से आक्रामक था और सामने आने वाले लोगों पर अचानक हमला करने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि जब तक लोग स्थिति को समझ पाते, तब तक गीदड़ छह लोगों को काटकर घायल कर चुका था। हमले के बाद गीदड़ खेतों की तरफ भाग गया। घायल लोगों को तत्काल बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

पागल होने की आशंका, ग्रामीणों में डर: ग्रामीणों का कहना है कि गीदड़ का व्यवहार सामान्य नहीं था। जिस तरह से उसने लगातार कई लोगों पर हमला किया, उससे उसके पागल या संक्रमित होने की आशंका जताई जा रही है। रात के समय भी गीदड़ की आवाज सुनाई देने से गांव के लोग भयभीत हैं।

बढ़ता स्क्रीन टाइम बच्चों के विकास पर खतरा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। मोबाइल फोन, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम आने वाले वर्षों में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली, अभिभावकों की व्यस्तता और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण बच्चे तेजी से डिजिटल उपकरणों पर निर्भर होते जा रहे हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार (डीएम पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी) ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि आज कई बच्चे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। अभिभावकों की व्यस्त दिनचर्या और परिवार में संवाद की कमी के कारण बच्चों का जुड़ाव अब खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों के बजाय मोबाइल फोन, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों से अधिक हो गया है। पहले बच्चे अपना समय खेलकूद, दोस्तों और परिवार के साथ बिताते थे, लेकिन अब उनका अधिकांश समय स्क्रीन के सामने गुजर रहा है। इसका असर उनके व्यवहार, भाषा विकास और सीखने की क्षमता पर साफ दिखाई दे रहा है।

कम्यूनिकेशन क्षमता हो रही प्रभावित: डॉ. कुमार ने बताया कि पहले बच्चे अपना अधिकांश समय दोस्तों के साथ खेलने, नई

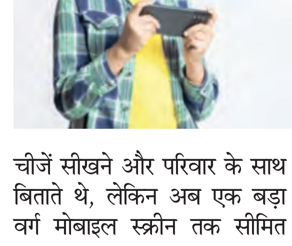

चीजें सीखने और परिवार के साथ बिताते थे, लेकिन अब एक बड़ा वर्ग मोबाइल स्क्रीन तक सीमित होता जा रहा है। इसका सीधा असर उनके व्यवहार, भाषा, सीखने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा गहरा असर: डॉ. अजय कुमार ने जोर देकर कहा कि शिशु रोग विशेषज्ञ की भूमिका अब केवल बीमारी का इलाज करने तक सीमित नहीं है। बच्चों के संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करना भी चिकित्सकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से स्क्रीन टाइम के खतरों को समझने और सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बढ़ रही हैं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं: विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते स्क्रीन टाइम का सीधा असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लंबे समय तक मोबाइल और टीवी देखने वाले बच्चों में एंजाइटी, तनाव, नींद की समस्या, अवसाद और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बंद घर का ताला तोड़कर 25 लाख के गहनों की चोरी

रांची । रांची के खेलगांव थाना क्षेत्र के न्यू खटंगा स्थित एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने 15 हजार नकद और लगभग 25 लाख रुपये के गहनों की चोरी कर ली। इस संबंध में न्यू खटंगा निवासी अनीश कुमार भारती ने खेलगांव थाना में मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार पीड़ित परिवार नेपाल यात्रा पर गया हुआ था। नेपाल यात्रा से लौटने के बाद देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। जब उन्होंने हर रूम में जाकर देखा तो पता चला कि सारे गहने और नकदी चोरी हो गये हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किरीबुरु अस्पताल में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की ऑनलाइन सुविधा शुरू

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम के अतिनक्सल प्रभावित और दुर्गम सारंडा क्षेत्र के किरीबुरु-मेघाहातुबुरु जनरल अस्पताल में सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) पोर्टल के माध्यम से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की ऑनलाइन सुविधा का शुभारंभ किया गया। गुरुवार को इस सेवा का उद्घाटन सेल किरीबुरु लौह अयस्क खदान (केआईओएम) के मुख्य महाप्रबंधक (खान) प्रशांत मनोहरराव शिरपुरकर ने किया। उद्घाटन समारोह में अस्पताल के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी डॉ. नंदी जेराई, डॉ. पी.आर. सिंह, डॉ. अर्चना बेक, डॉ. मनोज कुमार, अनिमा एक्सेस, जवाहरलाल प्रधान, अर्का चटर्जी, राकेश कुमार बैठा सहित अस्पताल के कई चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि नई डिजिटल व्यवस्था के तहत अस्पताल में दर्ज जन्म और मृत्यु के मामलों का पंजीकरण तथा प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया अब ऑनलाइन होगी, जिससे लोगों को दूर-दराज के सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्य महाप्रबंधक प्रशांत मनोहरराव शिरपुरकर ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के जरिए नागरिक सेवाओं को सरल और पारदर्शी बनाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा सारंडा, किरीबुरु, मेघाहातुबुरु और आसपास के ग्रामीण इलाकों के हजारों लोगों को लाभ पहुंचाएगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे डिजिटल इंडिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इससे समय, धन और श्रम की बचत होगी तथा आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक सुगम बनेगी।

साइबर अपराधियों ने युवक के खाते से उड़ाये 1.70 लाख रुपये

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक युवक को अपना शिकार बनाते हुए उसके बैंक खाते से करीब 1 लाख 70 हजार रुपये उड़ा लिये। इसको लेकर पीड़ित ऐनुल ने गुरुवार को तोरपा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर एनुल नामक युवक के मोबाइल पर एक अज्ञात नम्बर से फोन आया। बातचीत समाप्त होने के कुछ ही देर बाद उसके मोबाइल का नेटवर्क अचानक बंद हो गया। मोबाइल सेवा बाधित होने पर युवक को संदेह हुआ और वह तत्काल जियो सर्विस सेंटर पहुंचा। वहां तकनीकी सहायता के बाद उसका मोबाइल नंबर पुनः सक्रिय किया गया। मोबाइल नंबर चालू होने के बाद जैसे ही उसने फोन ऑन किया, उसके मोबाइल पर लगातार ओटीपी और बैंकिंग लेनदेन से संबंधित संदेश आने लगे। इसके साथ ही फोनपे और बैंक खाते से धन निकासी के कई संदेश प्राप्त हुए। खाते की जांच करने पर युवक को पता चला कि उसके खाते से अलग-अलग किस्तों में लगभग 1.70 लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने तत्काल बैंक अधिकारियों से संपर्क किया और बाद में तोरपा थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन और पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। नागरिकों से कहा गया है कि किसी भी अज्ञात कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, ओटीपी किसी को न बताएं और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत बैंक, पुलिस अथवा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

शबरी कुटिया मुरहू में विशेष सत्संग छह से

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम, शबरी कुटिया, शांतिपुरी मुरहू में छह और सात जून को विशेष सत्संग का आयोजन किया जाएगा। सत्संग में कुप्पाघाट भागलपुर के स्वामी प्रमोद जी महाराज, स्वामी डॉ निर्मलानंद जी महाराज, स्वामी लक्ष्मण जी महाराज, स्वामी श्याम बाबा, स्वामी बालकृष्ण बाबा सहित अन्य संतों -विद्वानों के प्रवचन होंगे। यह जानकारी समिति के संरक्षक डॉ डीएन तिवारी, जिलाध्यक्ष संजय सत्संगी, जगमोहन पूर्ति और जूरन सिंह मुंडा ने संयुक्त रूप से गुरुवार को दी।

जंगली हाथी के हमले में ग्रामीण घायल

पूर्वी सिंहभूम। जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार जारी है। गुरुवार सुबह चाईबासा वन प्रमंडल अंतर्गत जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के तेंतोडीपोसी गांव में एक जंगली हाथी के हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान तेंतोडीपोसी निवासी चंपई केराई के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। जानकारी के अनुसार चंपई केराई गुरुवार सुबह अपने घर से शौच के लिए निकले थे। इसी दौरान अचानक एक जंगली हाथी वहां पहुंच गया। चंपई केराई हाथी को देखकर कुछ समझ पाते, उससे पहले ही हाथी ने अपनी सूंड से उन्हें उठाकर जमीन पर पटक दिया। बताया जा रहा है कि हाथी ने उन्हें अपने पैरों से दबाने का भी प्रयास किया। हालांकि कुछ देर बाद हाथी वहां से जंगल की ओर चला गया। घायल चंपई केराई की पत्नी पार्वती केराई ने बताया कि हाथी के जाने के बाद उनके पति दर्द से कराहते हुए मदद के लिए आवाज लगाने लगे। उनकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें गंभीर अवस्था में तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जगन्नाथपुर पहुंचाया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी सक्रिय हुई और घायल को आगे के उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। बताया गया है कि हाथी के हमले में चंपई केराई की कमर और पसलियों में चोटें आई हैं। सदर अस्पताल में उनका एक्स-रे कराया जा रहा है ताकि अंदरूनी चोटों की स्थिति का पता लगाया जा सके। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र के लोगों से हाथियों की गतिविधियों वाले इलाकों में अकेले नहीं जाने और विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र में हाथियों की लगातार बढ़ती आवाजाही पर चिंता जताते हुए प्रभावी निगरानी और सुरक्षा उपायों की मांग की है।

मां शारदे मंच के वार्षिकोत्सव में पौधारोपण और निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

एजेंसी। रांची

मां शारदे मंच और गरुड़ आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को नामकुम प्रखंड के रामपुर गांव स्थित धूमकुड़िया पंचायत में मां शारदे मंच का वार्षिकोत्सव सामाजिक सरोकार और जनसेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन करते हुए 100 से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। यह जानकारी देते हुए मां शारदे मंच की अध्यक्ष नीतू सिन्हा ने कहा कि प्रकृति को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ईश्वर सेवा के समान है। समाजहित में किए जाने वाले कार्यों में सभी लोगों को बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए। नीतू सिन्हा ने बताया कि मंच समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है और आगे भी समाज के कल्याण के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, अंधेपन की समस्या, निकट दृष्टि संबंधी कठिनाइयों और चश्मा एवं कॉन्टैक्ट लेंस की आवश्यकता जैसी समस्याओं की जांच की। ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच के सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रामपुर की मुखिया सरस्वती देवी सहित शिखा प्रिया, सीमा श्रीवास्तव, रजनी बक्शी, रेनू वर्मा, पुष्पा सिंह, समीर सिन्हा, मनोज सिन्हा, शशांक श्रीवास्तव, मार्ग्रेट सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

यौन शोषण के आरोपित की डिस्चार्ज याचिका खारिज

एजेंसी। रांची

रांची के अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार-2 की अदालत ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण के एक आरोपित की डिस्चार्ज याचिका खारीज कर दी। उसे 19 जून को आरोप गठन के लिए अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान आरोपित पक्ष की ओर से कहा गया कि पीड़िता एक वयस्क महिला है और दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से बने थे। वह निर्दोष है, उसके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि आरोपित ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण किया। आरोप है कि आरोपित ने जुलाई 2021 में मंदिर में सिंदूर डालकर और मंगलसूत्र पहनाकर पीड़िता से विवाह किया था। इसके बाद उनके बीच पति-पत्नी जैसे संबंध बने। बाद में आरोपित ने खुद को विवाहित बताते हुए शादी से इनकार कर दिया था। आरोपित प्रेम सिंह मूल रूप से जम्मू का निवासी है। वर्तमान में सिकंदराबाद में कार्यरत है। उसके खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने चुटिया थाना में वर्ष 2025 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

भाजपा ने सड़क निर्माण कार्य में लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

खासमहाल-गोविंदपुर सड़क निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। दिल्ली दौरे से लौटने के तुरंत बाद पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता दुलाल भुईयां आंदोलन में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं के साथ उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई। पूर्व मंत्री सह भाजपा नेता दुलाल भुईयां के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान साकची स्थित भाजपा कार्यालय से उपायुक्त कार्यालय तक जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से बन रही खासमहाल-गोविंदपुर सड़क निर्माण परियोजना में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। उनका कहना था कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की स्थिति बदहाल बनी हुई है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि परियोजना पर निर्धारित राशि खर्च की गई है तो फिर सड़क की हालत ऐसी क्यों है, इसका जवाब संबंधित विभाग और संवेदक को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए ताकि जनता के पैसे के दुरुपयोग की सच्चाई सामने आ सके। भाजपा परसूडीह मंडल अध्यक्ष सुमित कुमार शर्मा की ओर से उपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि निर्माण कार्य लंबे समय से ठप पड़ा है और संवेदक कार्यस्थल से गायब है। इससे स्थानीय लोगों को रोजाना गड्ढों, कीचड़ और धूल से जूझना पड़ रहा है। खराब सड़क के कारण एम्बुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है, जिससे मरीजों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

बंगाल की खाड़ी में पहुंचा मानसून, झारखंड में 15 तक देगा दस्तक

एजेंसी। रांची

दक्षिणी पश्चिमी मानसून गुरुवार को बंगाल की खाड़ी में पहुंच गया है। समाचार लिखे जाने के कुछ घंटे के बाद तक इसके केरल पहुंचने की संभावना है। मानसून के केरल से झारखंड पहुंचने में 10 से 12 दिन का समय लगता है। इस हिसाब से इसके झारखंड में 15 जून तक पहुंचने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष झारखंड में मॉनसून 17 जून को पहुंचा था। इधर, राज्य में मॉनसून आने से पूर्व राजधानी रांची सहित राज्य भर के विभिन्न जिलों में प्री मॉनसून की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 04 से लेकर 08 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। इसके अलावा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना व्यक्त की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया।

गुमला में 9.2, मिमी बारिश दर्ज- पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज 41 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गुमला जिले के सिसई में 9.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर बाद आसमान साफ हो गया, जिससे प्रचंड गर्मी महसूस की गई। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री और न्यूनतम 24.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 38.1 डिग्री और न्यूनतम 28.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 41 और न्यूनतम 27.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 39.5 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री,चाईबासा में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री एवं खूंटी में अधिकतम 35.7 और न्यूनतम 23.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

अधिवक्ता ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

सोनारी थाना क्षेत्र के सरिता बिहार में गुरुवार सुबह एक अधिवक्ता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका हुआ पुलिस ने बरामद किया है। मृतक की पहचान कृष्ण कुमार लाल (50) के रूप में हुई है, जो जमशेदपुर सिविल कोर्ट में अधिवक्ता के तौर पर कार्यरत थे। बताया जाता है कि सुबह परिजनों ने उन्हें घर में फंदे से लटका हुआ देखा। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल सोनारी थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला खुदकुशी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि इसके पीछे की वजहों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। अधिवक्ता कृष्ण कुमार लाल के असामयिक निधन की खबर फैलते ही न्यायिक और अधिवक्ता समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई। उनके सहयोगियों और परिचितों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सोनारी थाना प्रभारी मधुसूदन डे ने बताया कि मामले में यूडी केस दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना के कारणों की पड़ताल में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध हथियार तस्करी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, लोडेड पिस्टल बरामद

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जुगसलाई थाना क्षेत्र में अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री और सप्लाई करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की निशानदेही पर एक लोडेड देसी पिस्टल, जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस का मानना है कि मामला हथियार तस्करी के बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है और इसके तार अन्य आपराधिक गतिविधियों से भी जुड़े होने की आशंका है। इस संबंध में सिटी एसपी ललित मीणा ने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 03 जून को वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय को जुगसलाई क्षेत्र में अवैध हथियारों की डिलीवरी की गुप्त सूचना मिली। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक (नगर) के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) सुमित कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने गरीब नवाज कॉलोनी स्थित रेलवे पुल के नीचे छापेमारी कर दो संदिग्धों को धर दबोचा।

गिरफ्तार युवकों की पहचान जाहिद हुसैन उर्फ विक्की (25) और मो रेहान हुसैन (19) के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े होने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर रेलवे पुल के नीचे झाड़ियों में छिपाकर रखी गई एक लोडेड देसी पिस्टल और 7.65 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। साथ ही दोनों के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपित जाहिद हुसैन उर्फ विक्की ने खुलासा किया कि अवैध हथियारों की बाजार में 40 हजार से 60 हजार रुपये तक में बिक्री होती है। उसने बताया कि वह हथियार सप्लायरों और खरीददारों के बीच संपर्क स्थापित करने का काम करता था और हथियारों की डिलीवरी कराने में भूमिका निभाता था।

पुलिस को आशंका है कि आरोपित लंबे समय से इस अवैध नेटवर्क का हिस्सा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जाहिद हुसैन उर्फ विक्की का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पूर्व में मारपीट और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 2024 और 2025 में भी वह हथियार संबंधी मामलों में पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। इस संबंध में जुगसलाई थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब हथियार सप्लाई करने वाले मूल तस्करों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

कार्यालय: उपाधीक्षक, सदर अस्पताल, गढ़वा
सदर अस्पताल, कैम्पस कचहरी रोड, गढ़वा (झारखंड)
पिन कोड 822114
ईमेल आई० डी०:- garhwadsoffice@gmail.com

सूचना

PR 379027Health Med and family Welfare (26-27) के द्वारा प्रकाशित इच्छा की अभियुक्ति संख्या :– 01/2026–2027 को अपरिहार्य कारण से निरस्त किया जाता हैं।

उपाधीक्षक
सदर अस्पताल, गढ़वा

PR 381548 Health Med Edu and Family Welfare (26-27)_D

नाला सफाई में लापरवाही पर जेएनएसी की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

मानसून की दस्तक से पहले शहर के बड़े नालों की सफाई को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने उपायुक्त को पत्र भेजकर जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) की ओर से कराए जा रहे नाला सफाई कार्य में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की है। अपने पत्र में मुकुल मिश्रा ने कहा है कि बरसात से पहले कदमा और सोनारी क्षेत्र के बड़े नालों की सफाई का कार्य शुरू किया गया है, लेकिन कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों ही चिंताजनक हैं। उनका आरोप है कि जिस कार्य के लिए निविदा के तहत 30 मजदूरों को लगाया जाना निर्धारित है, वहां वास्तविक रूप से काफी कम संख्या में मजदूरों से काम कराया जा रहा है। उन्होंने दावा किया है कि सोनारी क्षेत्र में 01 और 02 जून को केवल 17 मजदूर ही सफाई कार्य में लगे हुए थे, जबकि कदमा क्षेत्र में 03 और 04 जून को महज 19 मजदूरों के सहारे सफाई अभियान चलाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि संविदा की शर्तों का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। मुकुल मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया है कि सोनारी क्षेत्र में फिलहाल नाला सफाई का कार्य बंद पड़ा है। ऐसे में यदि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जल्द बारिश शुरू होती है तो कदमा और सोनारी के निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा हो सकती है। उन्होंने आशंका जताई है कि समय पर सफाई पूरी नहीं होने की स्थिति में कई मोहल्लों को बाढ़ जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पत्र में उन्होंने जेएनएसी के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विभागीय उदासीनता और निर्धारित संख्या से कम मजदूरों को लगाकर काम कराने के कारण नालों की सफाई प्रभावित हो रही है। इससे न केवल कार्य की गति धीमी हुई है, बल्कि समय पर इसके पूरा होने पर भी संशय पैदा हो गया है। मुकुल मिश्रा ने उपायुक्त से पूरे मामले की जांच किसी सक्षम अधिकारी से कराने तथा वास्तविक स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या– **EE/RDSD/Palamau-F2/04/2025-26(3rdCall, Gr No. 02)**

S. No.	Group No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1	2	3	4	5	6	7
1	02	पलामू जिला के प्रखंड पाण्डू अनतर्गत कुटूमू पी0डब्लू0डी0 रोड से बनाही मेन रोड तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	4437800.00	89000	5000	04 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – **08.06.2026** (05:00 PM से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक **08.06.2026** (**अपराह्न 5:00 PM से** दिनांक **13.06.2026** को 5:00PM तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास **विशेष** प्रमण्डल, पलामू।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **15.06.2026** अपराह्न 3:00 PM बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास **विशेष** प्रमंडल, पलामू।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल
पलामू।

PR 381493 (Rural Development) 26-27 (D)

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

एससी ने मुंबई के 3 रेलवे पुलिसकर्मियों की जमानत की रद्द

मुंबई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर नाबालिग के साथ यात्रा कर रहे व्यक्ति से जबरन वसूली और आपराधिक धमकी देने के आरोपी तीन रेलवे पुलिसकर्मियों की अग्रिम जमानत रद कर दी है। इन पुलिसकर्मियों को पिछले साल सितंबर में बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह राहत दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने लगें, तो नागरिक असहाय होकर देखता रह जाता है और उसके पास चुपचाप झुकने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को अस्पष्ट बताते हुए उसे खारिज कर दिया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अपने पद का दुरुपयोग करने वाले किसी पुलिस अधिकारी के मामले से निपटते समय, 'एक आम आरोपी व्यक्ति पर लागू होने वाली सामान्य धारणाएं लागू नहीं होंगी। यह घटना पिछले साल अगस्त महीने की है। एक यात्री अपने एक नाबालिग बच्चे के साथ राजस्थान जा रहा था। यात्री ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर उसके पास से 14 ग्राम सोने का बिस्कुट और 31,900 रुपये नकद मिलने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था और फिर उससे जबरन वसूली की गई। इस मामले में पुलिसकर्मियों की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुई हैं। हाल ही में डिपार्टमेंटल इंक्वायरी के बाद राज्य सरकार द्वारा तीनों आरोपी पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

भाजपा विधायक की सख्त मांग: 'हेलमेट न पहनने वालों की बाइक एक महीने के लिए की जाए जब्त'

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और युवाओं की मौतों को लेकर भाजपा विधायक भूपेन बोरा ने सरकार और पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। बिहपुरिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक बोरा ने बुधवार को कहा कि हेलमेट न पहनकर बाइक चलाने वालों के खिलाफ केवल जुर्माना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी बाइक भी एक महीने के लिए जब्त की जानी चाहिए। उनका मानना है कि कड़ी कार्रवाई से सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और हादसों में कमी आएगी। गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भूपेन बोरा ने बताया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के टिकिरा इलाके में हाल ही में कई दर्दनाक सड़क हादसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि तीन युवकों की बाइक दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। इन घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। विधायक ने कहा कि दुर्घटनाओं से प्रभावित अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने युवाओं के लिए बाइक की गति सीमा तय करने जैसे कड़े उपायों पर भी विचार करने की आवश्यकता बताई।

जहरीली शराब कांड रोकने के लिए अठावले का अनोखा फॉर्मूला

ठाणे, एजेंसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने हाथ से बनाई जाने वाली कच्ची शराब को कानूनी मान्यता देने की वकालत करते हुए कहा है कि इससे न केवल सरकार का राजस्व बढ़ेगा, बल्कि जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर भी रोक लगाई जा सकेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी शराब के उत्पादन और बिक्री को सरकारी नियंत्रण में लाया जाए ताकि उसकी गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी तालुका स्थित बापगांव में एक निजी कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में अठावले ने हाल ही में पुणे में हुई जहरीली शराब त्रासदी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दिहाड़ी मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग अक्सर कच्ची शराब का सेवन करते हैं, जिससे कई बार जहरीली शराब के कारण जानलेवा घटनाएं सामने आती हैं। अठावले ने कहा कि यदि सरकार इस तरह की शराब को वैध बनाकर उसके उत्पादन को विनियमित करे तो अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा और लोगों को सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध हो सकेगा।

मंगेतर को प्रपोज करना कैप्टन भरत को पड़ेगा महंगा? सफाई मांग सकती है सेना

नासिक , एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में सेना की पासिंग आउट परेड के बाद एक नवनियुक्त आर्मी पायलट का अपनी प्रेमिका को प्रपोज करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस दिल छू लेने वाले वीडियो को इंटरनेट पर खूब प्यार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ सेना के कड़े नियमों और प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है।

यह पूरा वाकया मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित पासिंग आउट परेड के दौरान हुआ। वीडियो में देखा जा सकता है कि भारतीय सेना की वर्दी पहने पायलट कैप्टन भरत भारद्वाज रनवे पर चलते हुए आते हैं। बैकग्राउंड में सेना का एक हेलीकॉप्टर खड़ा नजर आ रहा है। कैप्टन भारद्वाज अचानक घुटनों के बल बैठ जाते हैं और अपनी पार्टनर को अंगूठी पहनाकर शादी के लिए प्रपोज करते हैं। उनकी पार्टनर इस सरप्राइज से बेहद खुश हो जाती हैं और गले लगाकर प्रपोजल को स्वीकार कर लेती हैं।

वीडियो और तस्वीरें वायरल होने के बाद जहां एक तरफ लोग कपल को बधाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सेना के सख्त अनुशासन और नियमों को लेकर सवाल भी उठाए जा रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, 'क्या इसकी अनुमति है? क्या आप डिफेंस ट्रेनिंग स्कूल के भीतर ऐसे प्रपोजल को फिल्मा सकते हैं और उन्हें सार्वजनिक रूप से साझा कर सकते हैं? मुझे लगा था कि सेना की एक बहुत ही सख्त आचार संहिता होती है। '

सोशल मीडिया पर आए रिएक्शन और विवाद के बीच सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि सेना ने इस पूरे मामले का संज्ञान लिया है। सेना के नियमों के मुताबिक, इस तरह का प्रपोजल और उसका सोशल मीडिया पर आना कई प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जा रहा है। खबर है कि सेना इस मामले में पायलट कैप्टन भरत भारद्वाज से स्पष्टीकरण मांग सकती है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि इस भावुक और व्यक्तिगत कदम के लिए कप्तान को किसी बड़ी मुश्किल या कड़ी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अपनी साथी को प्रपोज करने के बाद समाचार एजेंसी एएनआई एएनआई से बात करते हुए कैप्टन भारद्वाज ने अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, 'हम सभी आज पायलट और इंस्ट्रक्टर बने हैं। यह हम सभी के लिए बहुत बड़ा दिन था। हमारी कड़ी मेहनत आज रंग लाई है। हम दोनों पिछले पांच साल से एक-दूसरे को जानते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनसे शादी का प्रस्ताव रखने के लिए इससे बेहतर कोई और दिन हो सकता था। यह मेरे परिवार के लिए भी बड़ा दिन है। मैं इस दिन को अपनी मंगेतर के लिए भी यादगार बनाना चाहता था। बस यही इसके पीछे की सोच थी। '

आपको बता दें कि नासिक का कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल भारतीय सेना का एक बेहद प्रतिष्ठित और प्रमुख फ्लाइंग ट्रेनिंग संस्थान है। यह सीधे तौर पर आर्मी ट्रेनिंग कमांड के तहत काम करता है, जहां बेहद कड़ी सुरक्षा और अनुशासन के मानक लागू होते हैं। यही वजह है कि संवेदनशील क्षेत्र में वीडियो बनाने और उसे सार्वजनिक करने पर सवाल उठ रहे हैं।

47 गांवों से होकर गुजरेगा अलीगढ़-मुरादाबाद हाईवे, रोड कनेक्टिविटी के साथ सफर का समय होगा कम

अलीगढ़, एजेंसी। यूपी में अलीगढ़वासियों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही अलीगढ़ से मुरादाबाद जाने में समय कम लगेगा और सफर भी रोड कनेक्टिविटी के चलते बेहतर होगा।

दरअसल प्रस्तावित अलीगढ़-मुरादाबाद हाई-स्पीड एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर जिले के 47 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके लिए एनएचएआई ने भूमि अधिग्रहण की आधिकारिक प्रक्रिया तेज कर दी है। एजेंसी ने डीपीआर बनाने का कार्य भी शुरू कर दिया। एनएचएआई के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने डीएम, अलीगढ़ को पत्र भेजकर कॉरिडोर के दायरे में आने वाले अलीगढ़ जिले के कुल 47 गांवों के राजस्व मानचित्र और अन्य आवश्यक भूमि रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह राजस्व गांव तहसील कोल और तहसील गभाना में हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों पर एनएचएआई ने इस ग्रीनफील्ड हाईवे की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और डिजाइन तैयार करने का जिम्मा मैसर्स चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड को मैसर्स भवानी कंसलटेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से संयुक्त रूप से सौंपा है। इस कॉरिडोर के संरेखण (एलाइनमेंट) को मंत्रालय द्वारा पहले ही हरी झंडी दी जा चुकी है। एनएचएआई ने पत्र में स्पष्ट किया है कि कॉरिडोर का रूट अलीगढ़ के कई गांवों से होकर गुजरेगा। जमीन की पैमाइश और अधिग्रहण की कागजी कार्रवाई को समय से पूरा करने के लिए कंसलटेंसी कंपनियों के चार अधिकृत प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें रजित ठाकुर, प्रीतेश्वर पटेल, अव्लेंद्र प्रताप और हितेश कौशिक शामिल हैं। ये प्रतिनिधि सीधे अलीगढ़ के राजस्व अधिकारियों जैसे तहसीलदार और लेखपालों से संपर्क कर प्रभावित गांवों के विलेज मैप और जमीन से जुड़ी अन्य जानकारियां हासिल करेंगे, ताकि इन्हें हाईवे के फाइनल डिजाइन और डीपीआर में शामिल किया जा सके। कस्तरी वैश्या, पाला माजरा कस्तरी वैश्या, चन्दौखा, छेरत सुधियाल, साठा, खेरुपूरा, सपेरा भानपुर, जतपुर (जाटपुरा), किथारा, मोर्थल, बरौथ, बरौथा, मोहनपुर, हरदुआगंज, नयाबास नरेन्द्र गढ़ी, आज़माबाद महुआ, सिकंदरपुर महुआ, इमलानी, मई, खान आलमपुर, चंगेरी, महमूदपुर जमालपुर, भोजपुर, अलाहदादपुर, पनैथी, अदौन, जलुपुर सिहोर, भगवानपुर, फरीदपुर और जवां सिकंदरपुर।

राजस्थान: जैसलमेर में अब पाक मोबाइल सिम चलाई तो खैर नहीं, सरकार ने उपयोग पर लगाई रोक

जयपुर, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर जिले में पाक मोबाइल सिम के उपयोग पर रोक लगाई गई है। जैसलमेर जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे करीब चार किलोमीटर क्षेत्र तक पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क पहुंचता है। राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला कलक्टर अनुपमा जोरवाल ने पाकिस्तानी लोकल मोबाइल सिम के उपयोग करने अथवा उससे संपर्क करने पर रोक लगाने को लेकर आदेश जारी किए हैं। आदेश नहीं मानने वालों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को आशंका है कि सीमा पार से आने वाले

मोबाइल नेटवर्क का उपयोग जासूसी, तस्करी सहित अन्य देश विरोधी गतिविधियों में किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट पाकिस्तान ने कई मोबाइल टॉवर लगा रखे हैं। इन टॉवरों का नेटवर्क राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुंच रहा है। पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क जैसलमेर के चार किलोमीटर क्षेत्र तक पहुंचने का मामला सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर जिला कलक्टर ने रोक के आदेश जारी किए हैं। आशंका है कि पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क का लाभ उठाकर संदिग्ध व्यक्ति या असामाजिक तत्व संवेदनशील सूचनाएं सीमापार भेज सकता है। पिछले महीनों में सीमावर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण जानकारियां पैसों के लालच में पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में ई मित्र संचालक झबराराम, सरकारी कर्मचारी शकूर खान एवं महेंद्र प्रसाद और ग्रामीण हनीफ खान को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है।

केरलम: गिल्ट में किए गए कबूलनामे से सुलझी 40 साल पुरानी मर्डर मिस्ट्री, बेटे की मौत के बाद पिघला अपराधी का दिल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में गिल्ट से भरे कबूलनामे ने पुलिस को भी हैरान कर दिया है। इस खुलासे ने चार दशक पुरानी मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी को सुलझाने में मदद की है, जिससे जांचकर्ता उस युवक की पहचान कर सके हैं जिसके शव को 1986 में एक नाले में मिलने के बाद अज्ञात मानकर दफना दिया गया था। कोझिकोड के पहाड़ी इलाके तिरुवमबडी की पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान कन्नूर जिले के इरित्ती निवासी 22 वर्षीय मोहनन के रूप में हुई है। यह पहचान 56 वर्षीय मुहम्मदअली उर्फ एंटनी के पुलिस स्टेशन में आकर हत्या का गुनाह कबूलने के साल बाद हुई है।

4 जून, 2025 को मलप्पुरम जिले के निवासी मुहम्मदअली ने वेंगारा पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों को बताया था कि उसने नवंबर 1986 में व्यक्ति की हत्या कर दी थी, जब वह खुद किशोर था।

पुलिस के अनुसार, मुहम्मदअली ने बताया कि हाल ही में उसके बड़े बेटे की मौत और दूसरे बच्चे के साथ हुई दुर्घटना के बाद उसका अपराधबोध असहनीय हो गया था। उसने पुलिस को बताया कि वह दशकों तक नींद न आना और पश्चाताप की आग में जलता रहा। मुहम्मदअली ने कथित तौर पर बताया कि वह एक संपत्ति पर खेत मजदूर के रूप में काम कर रहा था, तभी वहां एक विवाद हो गया। उसने दावा किया कि एक व्यक्ति ने उस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद उसने आत्मरक्षा में उसे लात मार दी। वह व्यक्ति एक नाले में गिर गया और मुहम्मदअली वहां से भाग गया। इस कबूलनामे के बाद पुलिस ने उस पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था और फिलहाल वह जमानत पर बाहर है। पुलिस ने कहा कि मामले में जल्द ही चार्जशीट दायर की जाएगी।

आदिवासी आस्था पर चोट से भड़की हिंसा: सुकमा में मतांतरण विवाद में जमकर मारपीट

जगदलपुर, एजेंसी। सड़्रापाल के बीचोंबीच खड़ी वह छोटी सी झोपड़ी अब गांव के जख्म की तरह दिखाई देती है। टूटा दरवाजा धूल में पड़ा है। भीतर बिखरी हैं बाइबल की प्रतियां, हल्बी में लिखी मिशनरी संस्था की 'नवा नियम'। चार दिन पहले तक यहां प्रार्थना की आवाज गूंजती थी, लेकिन 31 मई को हुई हिंसा के बाद आज ऐसा सन्नाटा है कि दूर चरती बकरियों के गले में बंधी घंटियों की आवाज भी साफ सुनाई देती है। हिंसा के बाद गांव के छह परिवार पलायन कर दूसरे गांव में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं। दोनों पक्षों के 13 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पूर्व सरपंच हिड़मा मंडावी सहित दर्जनों ग्रामीणों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।सुकमा जिले की पालेम पंचायत का यह छोटा सा गांव इन दिनों केवल हिंसा की वजह से चर्चा में नहीं है।

यह उस टकराव की कहानी बन गया है, जो तब जन्म लेता है जब सदियों पुरानी आस्था और नई धार्मिक पहचान आमने-सामने खड़ी हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, यह विवाद एक दिन में पैदा नहीं हुआ। इसकी शुरुआत तब हुई, जब गांव के सिरहा परिवार ने अपनी पारंपरिक आस्था छोड़ दी। आदिवासी समाज में सिरहा केवल पुजारी नहीं, बल्कि देवगुड़ी (आदिवासियों के पूजा स्थल) और सामूहिक आस्था का संरक्षक माना जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि सिरहा पेडी की मृत्यु के बाद मिशनरी संस्था के लोगों ने उसके परिवार को समझाया कि उनकी विपत्तियों का कारण गांव के देव हैं। इसके बाद परिवार चर्च से जुड़ गया। इधर, गांव

के देवगुड़ी के पास सिरहा के परिवार की परंपरागत देवगुड़ी अब उजड़ चुकी है।

लोग चर्च जाने लगे और दो फाड़ में बंटा गांव

इमली पेड़ की छांव में बैठे हिड़मा वेट्टी कहते हैं, 'पहले पूरा गांव एक था। सभी देवगुड़ी में साथ पूजा करते थे, फिर धीरे-धीरे लोग चर्च जाने लगे।' पारंपरिक पूजा, त्योहार और सामूहिक अनुष्ठानों से दूरी बढ़ी और देखते ही देखते गांव दो हिस्सों में बंट गया। ग्रामीण हुंगा बताते हैं कि विवाद की असली चिंगारी देवगुड़ी के पास स्थित प्राकृतिक जलस्रोत बना। गर्मियों में अन्य जलस्रोत सूखने के बाद मतांतरित समुदाय प्रार्थना

गाजियाबाद में आबकारी विभाग का हेड कॉन्स्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

मोदीनगर, एजेंसी। शराब का ठेका चलाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा प्रत्येक महीने अनुज्ञापी से छह हजार रुपये रिश्वत ली जा रही थी। बुधवार को जब तलहैटा गांव के भीम त्यागी मोदीनगर तहसील में आबकारी विभाग के हेड कॉन्स्टेबल जगत सिंह को छह हजार रिश्वत देने आए तो एंटी करप्शन मेरठ की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। भीम की शिकायत पर ही टीम यहां पहुंची थी। टीम ने छह हजार रुपये पर केमिकल डालकर भीम को भेजा था। आरोपित हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ एंटी करप्शन टीम की तरफ से थाना मोदीनगर में केस दर्ज कराया गया है। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव तलहैटा के भीम सिंह का गांव में ही देशी शराब का ठेका है।

उनके मुताबिक, काफी समय से उनपर आबकारी विभाग के अधिकारी छह हजार रुपये प्रतिमाह देने के लिए दबाव बन रहे थे। मना करने पर ठेके का लाइसेंस रद कराने व उनके सामने ही दूसरे ठेका शुरू कराने की धमकी देते थे। इसको लेकर उनकी तरफ से आबकारी विभाग के उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

लगातार दबाव से परेशान आकर उन्होंने रिश्वत दी थी, लेकिन डिमांड बढ़ती चली गई। इसपर भीम ने एंटी करप्शन विभाग में शिकायत दी। टीम ने बुधवार को उन्हें छह हजार रुपये पर केमिकल लगाकर आबकारी कार्यालय मोदीनगर भेजा। टीम तहसील पहुंच चुकी थी। जैसे ही हेड कॉन्स्टेबल जगह सिंह ने रकम पकड़ी तो टीम कार्यालय में पहुंची और जगह सिंह को दबोच लिया। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई। पीड़ित भीम ने थाने पहुंचकर एंटी करप्शन टीम से कहा कि साहब आबकारी निरीक्षक की सह पर रिश्वत का काम चल रहा है। वह कई बार उनके ठेके पर आया और रिश्वत के लिए बोला। हाल ही में नए आबकारी निरीक्षक की यहां तैनाती हुई है। पीड़ित ने उसपर भी कार्रवाई की मांग उठाई है। पीड़ित का कहना है कि सभी ठेकों से रिश्वत जगह सिंह द्वारा ली जाती है और फिर यह रकम अन्य तक पहुंचती है।

बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई? जन्मदिन पर कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों का दौर शुरू

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। आज उनका 42वां जन्मदिन है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह आज कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि अन्नामलाई जल्द ही एक नई पार्टी या आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी से अलग होकर अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तैयार करने की योजना बना रहे हैं।

आपको बता दें कि 2 जून को अन्नामलाई ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने के लिए कहा है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अन्नामलाई ने बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन के साथ हुई एक बैठक में अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से अधर में लटका हुआ नजर आ रहा है जब बीजेपी ने उन्हें हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रुष्ठस्ब्य) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया। पार्टी के इस फैसले के बाद से ही अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे हैं। इन अटकलों को खुद अन्नामलाई के एक बयान ने और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से कहा था कि वह अगले दो दिनों में अपनी स्थिति साफ करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था, 'कृपया थोड़ा इंतजार करें। हम

दो दिनों में एक साथ बैठेंगे और विस्तार से बात करेंगे। ' साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने वाले अन्नामलाई का ग्राफ राजनीति में बहुत तेजी से ऊपर चढ़ा था। महज 10 महीने के भीतर ही उन्हें तमिलनाडु जैसे अहम राज्य की कमान सौंप दी गई। वह तमिलनाडु में बीजेपी के सबसे युवा अध्यक्ष बने। हालांकि अन्नामलाई खुद 2021 का विधानसभा चुनाव हार गए थे, लेकिन उन्होंने राज्य में बीजेपी के पैर पसारने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2021 के चुनावों में चार सीटें जीतीं, जिससे करीब दो दशकों के बाद बीजेपी की तमिलनाडु विधानसभा में वापसी हुई। अन्नामलाई के आक्रामक तेवरों और लोकप्रियता की बदौलत 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर साल 2019 के 3.66% से बढ़कर सीधे 11.24% पर पहुंच गया। इसके विपरीत नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में बीजेपी को भारी नुकसान उठाना पड़ा और पार्टी महज एक सीट पर सिमट कर रह गई। तमिलनाडु के कोयंबटूर और मदुरै जैसे प्रमुख शहरों में लगे कुछ पोस्टरों ने इस राजनीतिक सस्पेंस को और गहरा कर दिया है। अन्नामलाई के समर्थकों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या बीजेपी के किसी भी अन्य बड़े नेता की तस्वीरें गायब हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ पोस्टरों में अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इन पोस्टरों को देखकर राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि अन्नामलाई के समर्थक उन्हें बीजेपी से इतर एक स्वतंत्र और बड़े नेता के तौर पर पेश करने की तैयारी में जुटे हैं। अन्नामलाई को लेकर बने इस संशय ने बीजेपी खेमे के भीतर गहरी चिंता पैदा कर दी है। विशेष रूप से युवा मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता पार्टी आलाकमान से लगातार यह मांग कर रहे हैं कि स्थिति को तुरंत स्पष्ट किया जाए ताकि पार्टी कैडर के बीच फैल रहे भ्रम को रोका जा सके।

विचार-मंथन

संपादकीय

पूरी दिल्ली में होना चाहिए अवैध और जर्जर इमारतों का सर्वे

सवाल है कि इमारत जर्जर हो गई थी, तो संबंधित विभाग ने समय रहते इसे खाली क्यों नहीं कराया। अगर यह प्राथमिक कदम उठा लिया गया होता, तो एक बड़ा हादसा टल सकता था। दिल्ली में साकेत के पास एक इलाके में शनिवार को पांच मंजिला इमारत ढह जाने से पांच विद्यार्थियों सहित छह लोगों की मौत की खबर ने फिर यही साबित किया है कि सरकारी तंत्र के भीतर किस हद तक लापरवाही और गैरजिम्मेदारी का आलम पसरा हुआ है। इस घटना में कई लोग घायल भी हो गए। बचाव अभियान में चौदह लोगों को बाहर निकाला गया।इस हादसे से सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि जब यह हादसा हुआ, उस समय इमारत की ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य किसकी अनुमति से हो रहा था। नियमों का उल्लंघन कर इसकी मंजूरी किस स्तर पर दी गई? हालांकि नगर निगम के दो अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। इतने बड़े हादसे पर यह कार्रवाई बहुत छोटी है।कायदे से उन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए, जिन पर उस भवन के निर्माण और नक्शे की मंजूरी देने का जिम्मा था। मजिस्ट्रेट के स्तर पर जांच के बाद संबंधित अधिकारियों को छानबीन के घेरे में लाया जाना चाहिए।मगर वास्तव में यह प्रशासन और नगर निकाय की लापरवाही का एक और ज्वलंत उदाहरण है। सवाल है कि इमारत जर्जर हो गई थी, तो संबंधित विभाग ने समय रहते इसे खाली क्यों नहीं कराया। अगर यह प्राथमिक कदम उठा लिया गया होता, तो एक बड़ा हादसा टल सकता था।कोई भी इमारत एक दिन में अचानक नहीं गिरती। उसमें संरचनात्मक कमजोरी धीरे-धीरे सामने आ रही होती है। साकेत में जो इमारत ढह गई, समय रहते उसके मालिक और नगर निगम के अभियंताओं ने सजगता क्यों नहीं बरती और निर्माण मानकों का उल्लंघन क्यों होने दिया गया। उस इमारत में अवैध निर्माण किए जाते रहे और अधिकारी आंखें मूंदे रहे, तो दरअसल यह आपराधिक लापरवाही है।साकेत में हुई घटना पूरी दिल्ली के लिए सबक होनी चाहिए। यहां कई व्यावसायिक और रिहाइशी इमारतें हैं जो भवन निर्माण की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। पिछले दो-तीन दशकों में राजधानी में भवनों के निर्माण का जिस तरह व्यावसायीकरण हुआ है, उसके नतीजे सामने आने लगे हैं। जर्जर होती कोई इमारत कब ढह जाए, कहा नहीं जा सकता। अवैध और जर्जर इमारतों का पूरी दिल्ली में सर्वे और निरीक्षण होना चाहिए, ताकि समय रहते नागरिकों की जान बच सके।

कई विधायकों का बैठकों से नदारद होना भी एक संकेत दे रहा है। इसी वजह से ऐसी अटकलें चल पड़ी हैं कि क्या 80 में से नदारद रहे 60 विधायक पार्टी को तोड़ भी सकते हैं?अभी इस सवाल का जवाब तो भविष्य की गर्भ में छिपा है, लेकिन ममता बनर्जी ने खतरे को भांपते हुए सड़क पर उतरने का फैसला किया है। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हो रहे हमलों को लेकर उन्होंने आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है।

'शिंदे फॉर्मूला' बंगाल तक पहुंचा! दीदी की टीएमसी में बिखराव के मिलने लगे संकेत

(सुधांशु माहेश्वरी)

टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला।पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहली बार उसने सिर्फ सरकार नहीं बनाई, बल्कि बहुमत हासिल कर ममता बनर्जी की टीएमसी को करारी शिकस्त दी। चुनाव में बीजेपी 208 सीटें जीतने में सफल रही जबकि टीएमसी का आंकड़ा 80 सीटों पर सिमट गया। बाद में दो विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। ऐसे में अब उनके पास विधानसभा में मात्र 78 सीटें हैं। इस करारी शिकस्त के बाद मंथन करने के लिए टीएमसी ने तीन बार बैठक बुलाई। 6 मई को बैठक बुलाई गई तो 10 विधायक पहुंचे ही नहीं। फिर 19 मई को बैठक बुलाई गई तो 35 विधायक नदारद रहे। उसके बाद 31 मई को बुलाई गई बैठक में तो सबसे बड़ा खेल हुआ और 80 में से 60 विधायक मीटिंग में पहुंचे ही नहीं। इसके ऊपर ममता की टीएमसी में इस्तीफों की झड़ी भी लग चुकी है। टीएमसी प्रवक्ता बिस्वजीत देब ने इस्तीफा दिया है। शांतनु सिंह, अभिजीत मजूमदार, काकोली घोष और अरुप चक्रवर्ती ने भी अपना पद छोड़ दिया है। इसके अलावा डायमंड हार्बर से 8 पार्षदों का इस्तीफा हुआ है। चंदननगर से 30 पार्षद, भाटपाड़ा से 30, गारुलिया से 18, हलिशहर से 16, उत्तर बैरकपुर से 15 और कांचरापाड़ा से 14 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं। इन इस्तीफों के अलावा ममता बनर्जी ने उलूबेरिया से विधायक ऋतब्रत बनर्जी और एंटाली से विधायक संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। आरोप लगा कि दोनों पार्टी विरोधी गतिविधियों में सक्रिय थे। लेकिन असल विवाद यह था कि इन दोनों ही विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष से जुड़े प्रस्ताव और उस पर लिए गए हस्ताक्षरों की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। संदीपन साहा तो यहां तक कह चुके थे कि इसमें ऐसे विधायकों के हस्ताक्षर भी शामिल हैं जो असल में बैठक में शामिल तक नहीं हुए थे। इन आरोपों के बाद ही दोनों विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। विधायकों का नदारद होना, कुछ को निष्कासित कर देना और लगातार इस्तीफों का सिलसिला इस बात की ओर जरूर इशारा करता है कि टीएमसी में इस समय सब कुछ 'ऑल इज वेल' नहीं है। मीडिया की एक रिपोर्ट दावा करती है कि कोलकाता के 'विधायक हॉस्टल' में टीएमसी नेताओं की एक सीक्रेट बैठक हो चुकी है। इस बैठक में निष्कासित विधायक के साथ-साथ कई असंतुष्ट नेता शामिल हुए और टीएमसी के भविष्य, संगठनात्मक बदलाव और नए राजनीतिक विकल्पों को लेकर चर्चा की गई। बड़ी बात यह है कि ममता बनर्जी ने खुद पार्टी को कमजोर करने जैसी साजिशों के आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पार्टी को कमजोर करने और तोड़ने की एक संगठित साजिश चलाई जा रही है। ममता का यह कहना ही बता रहा है कि जमीन पर असंतोष है और उन्हें भी इस बात की चिंता जरूर सता रही है कि क्या टीएमसी टूट जाएगी। टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला। जानकार इस पैटर्न की तुलना महाराष्ट्र से करने लगे हैं जहां 2022 में एकनाथ शिंदे ने भी एक बड़ा उलटफेर किया था। उन्होंने शिवसेना में दो फाड़ कर दी थी और कई विधायकों को अपने साथ लेकर पूरी पार्टी पर कब्जा जमा लिया था। असल में महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और उस गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ था। लेकिन क्योंकि शिवसेना को मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, नाराज होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास अघाड़ी का जन्म हुआ। इस महाविकास अघाड़ी ने सरकार बनाई और बीजेपी को विपक्ष में बैठने पर मजबूर कर दिया। लेकिन उस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक और किरदार था। वह था एकनाथ शिंदे। बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले एकनाथ शिंदे कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने को राजी नहीं थे। इसके बाद 20 जून 2022 को महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव हुए और पता चला कि एकनाथ शिंदे और कुछ दूसरे विधायक मुंबई से बाहर जा रहे हैं। फिर खबर आई कि वे गुजरात के सूरत पहुंच चुके हैं। अगले ही दिन कई विधायकों को लापता बताया गया। उद्धव ठाकरे ने खतरा देखते हुए आपात बैठक बुलाई, लेकिन कई विधायक पहुंचे ही नहीं। यहीं से संकेत मिल चुके थे कि शिवसेना में दो फाड़ हो चुकी है। इसके बाद 22 जून को शिंदे गुट असम के गुवाहाटी पहुंच गया। विधायकों की संख्या वहां बढ़ती गई। दावा किया गया कि 40 शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे के साथ हैं। फिर 22 से 28 जून तक दावों का खेल चलता रहा। शिंदे गुट की तरफ से लगातार कहा गया कि उद्धव ठाकरे के पास बहुमत नहीं है और वह सरकार में नहीं बने रह सकते। फिर 29 जून को फ्लोर टेस्ट की नौबत आई, लेकिन उसके ठीक पहले उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया। फिर 30 जून को एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और उन्होंने बीजेपी से हाथ मिला लिया। तब देवेंद्र फड़नवीस को डिप्टी सीएम बना दिया गया। सरकार बना ली गई थी, लेकिन असली शिवसेना पर कब्जा करना बाकी था। ऐसे में यह मामला चुनाव आयोग के पास चला गया, जिसने 8 अक्टूबर 2022 को शिवसेना के धनुष-बाण वाले चुनाव चिन्ह को ही फ्रीज कर दिया। तब दो शिवसेना अस्तित्व में आईं। एक का नाम शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) रखा गया और दूसरी का नाम बालासाहेबांची शिवसेना यानी शिंदे गुट। फिर लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई। मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया कि उद्धव ठाकरे वापस मुख्यमंत्री नहीं बन सकते क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। वहीं असली शिवसेना को लेकर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया और मामला चुनाव आयोग के पास ही रहा। फिर 17 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने सबसे बड़ा फैसला सुनाते हुए एकनाथ शिंदे गुट को ही असली शिवसेना घोषित कर दिया। धनुष-बाण वाला चुनाव चिन्ह भी उनके खाते में गया। इस तरह एकनाथ शिंदे ने पूरी शिवसेना पर अपना कब्जा कर लिया और उद्धव ठाकरे अलग-थलग पड़ गए। जानकार इसी को महाराष्ट्र का 'शिंदे फॉर्मूला' बताते हैं जहां सबसे पहले बागी विधायकों की नाराजगी को हवा दी जाती है, फिर उन्हें पक्ष बदलने के लिए मनाया जाता है और आखिर में सबसे बड़ा खेल होता है-दो फाड़। अब इस समय पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के कई विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। कुछ मीडिया के सामने आकर अभिषेक बनर्जी की नीतियों की खुले तौर पर आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ दबी जुबान ममता बनर्जी की कार्यशैली पर भी सवाल उठा रहे हैं।

बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बावजूद चुनाव बाद हिंसा और राजनीतिक टकराव थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। टीएमसी नेताओं पर हमलों, बढ़ते राजनीतिक तनाव और कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों ने राज्य की शासन व्यवस्था पर नई चिंता खड़ी कर दी है।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है। टीएमसी नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, टीएमसी के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ। तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए भाजपा पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। भाजपा ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है।

निजी स्कूलों की फीस का ढांचा जटिल, भ्रामक और अपारदर्शी

(रंजना मिश्रा)

मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चों का भविष्य आज उनकी प्रतिभा या कठिन परिश्रम पर उतना निर्भर नहीं है, जितना इस बात पर निर्भर हो गया है कि उनके माता-पिता की आर्थिक हैसियत क्या है। किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का मुख्य इंजन उसका मध्यवर्ग होता है। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और प्रगतिशील देश में मध्यवर्ग केवल करदाता या उपभोक्ता भर नहीं है, बल्कि समाज का वह सबसे जागरूक तथा संवेदनशील वर्ग है जो देश के उज्ज्वल भविष्य के सबसे ज्यादा सपने पालता है। एक आम मध्यवर्गीय नागरिक अपने जीवन में अनगिनत संघर्ष करता है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी पूंजी उसकी आने वाली पीढ़ी होती है। यह निराशाजनक ही है कि तेजी से बदलते भारत में, यही मध्यवर्ग जटिल दोराहे पर खड़ा है, जहां एक ओर उसके पास अपने बच्चों के सुनहरे कल के लिए बुने गए अनगिनत सपने हैं, तो दूसरी ओर उन सपनों को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक आर्थिक संसाधनों का गहरा अकाल है। भारत की सामाजिक और आर्थिक संरचना की सबसे मजबूत रीढ़ माने जाने वाले इस वर्ग के लिए आज सबसे बड़ी चुनौती अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना बन गई है। यह विडंबना ही है कि जिस शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे मजबूत आधार और अज्ञानता को मिटाने वाला प्रकाश माना जाता था, वह आज विशुद्ध मुनाफे पर आधारित उद्योग में तब्दील हो चुकी है। आय और शिक्षा के खर्च के बीच लगातार बढ़ रहा आज एक औसत मध्यवर्गीय परिवार की सीमित मासिक आय का एक बहुत बड़ा हिस्सा निजी स्कूलों की तिजोरियों में जा रहा है। इस बेतहाशा खर्च ने परिवार का पूरा आर्थिक और मानसिक संतुलन चरमरा दिया है। जमीनी हकीकत यही है कि आय और शिक्षा के खर्च के बीच निरंतर बढ़ता अंतर अब केवल एक आर्थिक समस्या नहीं रह गया, बल्कि यह एक ऐसी गहरी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक त्रासदी का रूप लेता जा रहा है, जो दीमक की तरह चुपचाप हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को निगल रही है। निजी स्कूलों की फीस का ढांचा जटिल, भ्रामक और अपारदर्शी हो चुका है। बात अब केवल ट्यूशन फीस तक सीमित नहीं रह गई है। इसके साथ जुड़े कई अन्य शुल्क अभिभावकों की कमर तोड़ रहे हैं। निजी स्कूलों की मुनाफे वाली गतिविधियां केवल भारी-भरकम फीस की रसीद थमाने तक ही नहीं रुकी है। यह पूरी व्यवस्था अब बेहद संगठित तरीके से अभिभावकों का शोषण कर रही है। आज स्कूल प्रबंधन ही यह तय करता है कि बच्चों की किताबें किस विशिष्ट प्रकाशक की होंगी और वे शहर की किस दुकान से खरीदी जाएंगी। हर साल पाठ्यक्रम में मामूली फेरबदल कर या प्रकाशक बदल कर पुरानी किताबों के इस्तेमाल की संभावना को पूरी तरह खत्म कर दिया जाता है। स्कूल की वर्दियां, विशेष प्रकार के जूते-मोजे, स्कूल बैग और यहां तक कि मामूली स्टेशनरी भी तय दुकान से बाजार मूल्य से कई गुना ऊंचे दामों पर खरीदने का दबाव बनाया जाता है। अभिभावकों के पास न तो सवाल पूछने का अधिकार है, न मोलभाव करने की गुंजाइश और न ही किसी अन्य विकल्प को चुनने की स्वतंत्रता। बच्चों की शिक्षा के लिए मानसिक कष्ट झेल रहे अभिभावक जब शिक्षा वास्तविक ज्ञान और अच्छे संस्कार देने के बजाय विशुद्ध रूप से उत्पाद बन जाती है, तो बच्चों के भीतर छिपी स्वाभाविक रचनात्मकता, मौलिकता और जिज्ञासा नष्ट होने लगती है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6113

			3	6	9			4
		9					5	
	2				4	7	1	
4	9	8						7
			1		7			
1						4	3	5
	8	1	6				4	
	5					3		
9			2	7	1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6112

5	4	2	8	1	3	6	7	9
8	7	9	2	6	4	1	5	3
1	6	3	9	5	7	4	2	8
7	3	1	5	9	6	2	8	4
4	5	8	7	3	2	9	1	6
2	9	6	1	4	8	5	3	7
6	1	4	3	7	5	8	9	2
3	8	5	4	2	9	7	6	1
9	2	7	6	8	1	3	4	5

आज का राशिफल

मेष
आज आप अपने बिजनेस में और कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त कर पाएंगे। गिफ्ट आइटम और वस्त्रों के कारोबार से जुड़े जातकों को लाभ का विशेष मौका मिलेगा। आप मनोरंजक और सुख साधनों का आनंद ले पाएंगे। लंबी अवधि का निवेश करना कल आपके लिए फायदेमंद रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र में आपको कामयाबी मिलेगी।

वृष
आज का दिन गुरु के कर्क राशि के गोचर से शुभ रहने वाला है। आप मानसिक उलझन और द्वंद की स्थिति से खुद को निकालने में सफल रहेंगे। करियर में आपको अनुकूल स्थिति मिलेगी और आपको कुछ अपनी रुचि का काम करने का मौका मिलेगा। आर्थिक पक्ष आपका अनुकूल रहेगा। बिजनेस में आप उम्मीद से बढकर कमाई कर सकते हैं।

कर्क
आज का दिन शुभ रहेगा आपका काम पूरा होगा लेकिन संघर्ष अधिक रहेगा। सेहत के मामले में दिन कुछ नरम रह सकता है। आपको जोखिम वाले काम से दूर रहना चाहिए और विवाद में उलझने से बचना होगा। भाइयों से किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, संयम से काम लेना होगा। वाहन और बिजली के उपकरण पर धन खर्च होगा।

सिंह
आज दिन थकान भरा लेकिन चेहरे पर मुस्कान लाने वाला होगा। थकान और मानसिक उलझन हो सकती है लेकिन गिफ्ट में शोध करने की बुद्धि भी देंगे जिससे आप नई चीजों को सीख पाएंगे। आथिक लाभ का मौका मिलेगा और आप कामकाज में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से आपकी कोई समस्या सुलझ सकती है।

मिथुन
आज का दिन संतोषजनक रहेगा। आप अपने काम और योजनाओं से संतुष्ट रहेंगे। बहुत दिनों से आपकी कोई दबी इच्छी थी वह पूरी हो सकती है। किसी का मार्गदर्शन और सहयोग आपके करियर को नई दिशा दे सकता है। आर्थिक मामलों में आपको अपने प्रयास का लाभ मिलेगा।

कन्या
आज का दिन व्यापार और कारोबार के मामले में लकी रहेगा। आपको लाभ और सुख साधनों की भी प्राप्ति होगी। पारिवारिक जीवन में माता से स्नेह और सहयोग मिलेगा। आपको किसी पूर्व परिचित और मित्रों से सहयोग मिलेगा। वाहन खरीदने के लिए प्रयासरत है तो इस मामले में शुभ संयोग बनता दिख रहा है। छोटी अथवा लंबी दूरी की यात्रा भी संभव है।

तुला
आज दिन रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप अपनी वाणी और व्यवहारकुशलता से कार्यक्षेत्र में तरक्की पाएंगे। आर्थिक लाभ का आपको अवसर मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आप कुछ नई योजना पर भी काम शुरू कर सकते हैं। नजदीकी संबंधियों से रिश्तों में चल रहा तनाव कम होगा।

वृश्चिक
आज का दिन चंद्रमा के गोचर से शुभ रहने वाला है। आपको भाग्य का साथ अपने कार्यक्षेत्र में प्राप्त होगा। आप कुछ नई योजनाओं पर काम करने का विचार कर सकते है। आपकी चतुर योजना और दूरगामी का सोच का आपको फायदा मिलेगा। राशि में केतु की स्थिति से आपको राजनीतिक और कूटनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मकर
आज का दिन बुध और शुक्र की युति से शुभ लाभदायक रहेगा। आपको किसी सगे संबंधी अथवा मित्रों से मिलने का मौका मिलेगा। आप अपनी वाणी कुशलता और चतुर योजना का लाभ ले पाएंगे। किसी अटके हुए काम के पूर्ण होने से आपको खुशी मिलेगी। आर्थिक पक्ष आपका अनुकूल बना रहेगा। अपने लिए आप कुछ खरीदारी भी कर सकते हैं। आपके संपर्क सूत्र का विस्तार होगा।

कुंभ
आज का दिन उत्साहपूर्ण रहेगा। आप अपना काम सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे। आपको अपने साथी सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। करियर में ग्रोथ का भी संयोग बना रहा है। आप प्रबंधन क्षमता का भी लाभ ले पाएंगे। धार्मिक और दार्शनिक विषयों में आपकी रुचि बढेगी। शिक्षा और शिक्षण कार्य में भी आपको सफलता मिलने का संयोग बना है। पिता से आपको सहयोग मिलेगा।

धनु
आज का दिन लाभ के साथ खर्च में भी वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको कुछ पुराने लेनदेन निपटाने होंगे। आर्थिक मामलों में आपको जोखिम भरे निवेश से बचना होगा नहीं तो नुकसान हो सकता है। पारिवारिक जीवन में जीवनसाथी के साथ छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने की आशंका है। वैसे आपको कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ लोगों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन
आज का दिन कुछ नया करने का रहेगा। आप अपनी लाइफ को नई दिशा देने के लिए कुछ प्लान कर सकते हैं। आपकी कोई दबी इच्छा पूरी होगी और आपका आत्मविश्वास बढेगा। रिश्तों में आप तालमेल और सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करेंगे। आपको किसी बात को लेकर न चाहते हुए भी भावुकतावश समझौता करना पड़ सकता है।

वर्ग पहेली 6113

संकेतः बाएं से दाएं

1. दादामुनिय के नाम से फिल्म इंडस्ट्री में प्रसिद्ध रहे इस अभिनेता ने 13 अक्टूबर 1911 को जन्म लिया था (6)
6. टेसू को यह भी कहा जाता है (3)
7. श्रद्धापूर्वक बार-बार दोहराना (3)
9. धीमा या शिथिल करना (5)
11. घनिष्ठ मित्र (5)
13. ताप, उष्णता, प्रहार सहने की शक्ति (2)
16. भारत की पहली महिला जो विश्वसुंदरी बनी (1996)(5)
19. यह एक नदी है जो उत्तरी इटली के पूर्व में बहती है (1)
20. रक्तवाहिनी नली, रग (2)
21. विश्व की एकमात्र फिल्म जो एक पात्रीय भूमिका वाली फिल्म थी जिसके निर्माता, निर्देशक अभिनेता सुनील दत्त थे (2)
22. प्राचीन काल से चला हुआ क्रम, परंपरागत (4)

ऊपर से नीचे

1. शाकद्वीप की सात नदियों में से एक, पुराणानुसार महादेव द्वारा सृष्ट एक मानस-पुत्री का नाम (5)
2. आग की लपट, अग्निज्वाला (2)
3. खींचना, फूंक, चाबुक (2)
4. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
5. अस्तित्व प्रदान करना, निर्माण करना (3)
8. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा (3)
9. मयदानव की पुत्री जो लंकापति रावण की पटरानी थी (4)
10. हाथ, पतली विष्ठा, बालिश्त (2)
12. अमानत में खयानत, प्रेमचंद की प्रसिद्ध उपन्यास (3)
14. स्वच्छता, निर्मलता, सूक्ष्मता (उर्दू) (4)
15. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी पूर्वी तट पर स्थित इस देश की राजधानी जार्जटाउन थी (3)
17. खींचकर बड़ा या लंबा करना (3)
18. परछाई, प्रतिबिम्ब, सूर्य की पत्नी संज्ञा की अनुचरी (2)

वर्ग पहेली 6112 का हल

बो	ली	वि	या			का	बा
ध	मा	ल		आ	त	शी	
हो		य	ल	गा	र		नौ
ना	दा	न			ह	बी	ब
	न		हॉ			घा	त
सा	व	न	की	घ	टा		
फा	गु	न		रा	ल		गु
	रू		घा	ना		शु	रू

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

जॉन सीना के जानी दुश्मन से ब्रे वायट तक

WWE के 5 रेसलर जिनकी कम उम्र में हुई मौत,एक ने पत्नी और बच्चे का भी किया था कत्ल

नई दिल्ली। एक ऐसा फाइटिंग शो है जिसे भारत में भी खूब पसंद किया जाता है। इसके अलग-अलग कई इवेंट और आयोजन भारत में सुर्खियां बटोरते हैं।

हाल ही में क्लैन इन इटली ने काफी सुर्खियां बटोरीं। अगर इसके इतिहास के ऐसे पांच स्टार रेसलर्स की बात करें जिनका बेहद कम उम्र में ही अचानक निधन हो गया। इसमें हालिया नाम ब्रे वायट का भी है जिनकी मौत से कंपनी को काफी सदमा भी लगा था।

- **उमागा (1973-2009)-** एडवर्ड फाटू जिन्हें उमागा (Umaga) के नाम से भी WWE में जाना जाता था, वह 2006-07 में जॉन सीना के साथ राइवलरी के चलते काफी मशहूर हुए थे। समोआ के इस रेसलर ने कंपनी में खूब नाम कमाया। 4 दिसंबर 2004 को अचानक उनकी मौत की जानकारी सामने आई। महज 36 साल की उम्र में उमागा का हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया। उन्हें पेन किलर्स और हड्डियों को आराम देने वाली दवाओं के साथ मृत पाया गया था। उनके निधन का कारण भी ऐसी दवाइयों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण ही होने की खबरें आई थीं। उनका कम उम्र में निधन अन्य साथी रेसलर्स के लिए भी एक संदेश था।
- **एडी गुरेरो (1967-2005)-** एडी गुरेरो कंपनी के एक पॉपुलर रेसलर्स में से एक थे। उन्हें उनकी पर्सनैलिटी और बेहतरीन रेसलिंग स्किल के लिए जाना जाता था। वह क्राउंड का मनोरंजन करने के लिए मशहूर थे और उनके बीच काफी पॉपुलर भी थे। री मिस्टीरियो से उनकी अच्छी दोस्ती थी। उनका निधन 13 नवंबर 2005 को हुआ था। वह अपने होटल रूम में मृत पाए गए थे। उनका निधन भी हार्ट फेल होने के कारण बताया गया था। महज 38 साल की उम्र में WWE ने अपना एक बेहतरीन सितारा खो दिया था।
- **ओवेन हार्ट (1965-1999)-** 23 मई 1999 को 20वीं सदी के अंतिम दौर के स्टार रेसलर ओवेन हार्ट के निधन को सुनकर कंपनी में शोक की लहर दौड़ गई थी। वह उस वक्त के उभरते हुए सितारे थे। उनकी मौत एक खतरनाक स्टंट करते हुए हो गई थी। उनका निधन किसी बीमारी के चलते नहीं हुआ था। वह एक स्टंट कर रहे थे और तकनीकी खराबी के कारण वह उंचाई से नीचे गिर गए थे और उनके इतनी चोट लगी कि वह दोबारा उठ नहीं सके। उनका महज 34 साल की उम्र में दुखद निधन हो गया था।
- **क्रिस बेनोइट (1967-2007)-** WWE में 21वीं सदी के शुरुआती दशक में कई बड़े-बड़े रेसलर पॉपुलर थे। जॉन सीना, बटिस्टा, ब्रॉक लैसनर, कर्ट एंगल, री मिस्टीरियो, द रॉक के साथ एक नाम था क्रिस बेनोइट का। वह कंपनी के एक बेहतरीन फाइटर थे। जून 2007 में उन्होंने सभी को तब चौंका दिया जब पहले उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चे को मारा।

5- ब्रे वायट (1987-2023)

WWE ने हाल ही में एक शानदार रेसलर को खोया था। उनके निधन के बाद पूरी कंपनी शोक में डूब गई थी। अगस्त 2023 में ब्रे वायट के निधन की खबर ने सभी को हिला दिया था। वह एक बेहतरीन फाइटर के साथ-साथ कंपनी के लिए रिंग में शानदार स्टोरी सुनाने के लिए भी मशहूर थे। उनकी यूनिक पर्सनैलिटी भी काफी पॉपुलर थी। वह अचानक एक दिन सोते-सोते मृत पाए गए थे। उनके निधन का कारण भी हार्ट अटैक था। उनके रूप में WWE ने महज 36 साल की उम्र का एक बेहतरीन रेसलर खो दिया था।

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

वैभव को मौका, श्रेयस कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

वैभव को मिल सकती है भारतीय टी20 टीम में जगह

उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है। इस बात की भी संभावना है कि प्रसिद्ध कृष्णा की टीम में वापसी हो जाए। हार्दिक पांड्या की जगह भी खतरे में पड़ सकती है क्योंकि वह फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इससे नीतीश कुमार रेड्डी के लिए जगह बन सकती है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने प्रदर्शन के जरिए भारतीय टी20 टीम का दरवाजा खटखटा दिया है और इस दौरे के लिए माना जा रहा है कि उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है।

विराट कोहली भारतीय टीम से हुए बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की

शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे विराट कोहली- टीवी टूडे नेटवर्क के मुताबिक विराट के वनडे टीम से बाहर होने के बाद उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान अब तक नहीं किया गया है। विराट कोहली अभी शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने आईपीएल 2026 में अपनी टीम आरसीबी के लिए खेले 16 मैचों में कुल 675 रन बनाए थे जिसमें फाइनल में खेली गई नाबाद 75 रन की पारी भी मौजूद है।

भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- **फीफा ने लिया बड़ा फैसला,हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक**

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे। इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

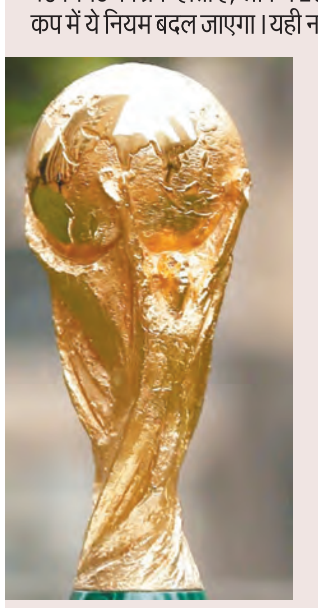

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया ए

- **इस तरह देख सकते हैं भारत में ट्राई सीरीज का लाइव प्रसारण**

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण - वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस सीरीज में भारत, अफगानिस्तान और मेजबान श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी।

इंडिया ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा कर रहे हैं, लेकिन इस टीम में 15 साल के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की मौजूदगी ने इस ट्राई-सीरीज का रुतबा और भी बढ़ा दिया है। वैभव ने हाल ही में खत्म हुए आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल किया था और सबको चौंका दिया था। वैभव अब हर किसी के फेवररेट हैं अब उनकी इसी लोकप्रियता ने ब्रॉडकास्टर को इस सीरीज के बारे में नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है।

9 से 21 जून तक होने वाली ट्राई-सीरीज का टेलीकास्ट सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग Sony LIV पर किया जाएगा।

बेटी का इलाज कराने जा रहे शिक्षक की सड़क हादसे में मौत, पुत्री घायल

- गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, गया रेफर करने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम
- निमोनिया से पीड़ित बेटी को दिखाने जा रहे थे अस्पताल
- शिक्षा जगत में भी शोक

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई, जबकि उनकी 11 वर्षीय पुत्री घायल हो गई। घटना दर्जी बिगहा मोड़ के समीप एनएच-19 पर हुई। मृतक की पहचान बंगरे गांव निवासी एवं बादम प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक प्रमोद मेहता (45) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रमोद मेहता अपनी पुत्री निधि कुमारी (11) को निमोनिया का इलाज कराने बाइक से औरंगाबाद जा रहे थे। इसी दौरान दर्जी बिगहा मोड़ के पास पूरब दिशा से आ रहे गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्री दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मदनपुर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रमोद मेहता की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया। परिजन उन्हें गया ले जा रहे थे, लेकिन आमस के समीप रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं घायल निधि कुमारी का इलाज मदनपुर अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रमोद मेहता की असामयिक मौत की खबर मिलते ही बंगरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने उन्हें मिलनसार, कर्तव्यनिष्ठ और विद्यार्थियों के प्रति समर्पित शिक्षक बताया। उनके निधन से शिक्षा जगत में भी शोक व्याप्त है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियों और एक पुत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में मातम का माहौल है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान और वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। मदनपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद भेजा गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सड़क हादसा : कारोबारी पिता-पुत्र समेत तीन घायल

अंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले के अंबा थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर हुए भीषण सड़क हादसे में गल्ला व्यवसायी पिता-पुत्र समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना परसावां बिगहा गांव के समीप हुई, जहां बाइक और लूना की आमने-सामने टक्कर के बाद एक ऑटो भी हादसे का शिकार हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद में भर्ती कराया गया है, जहां एक युवक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय एनएच-139 पर एक बाइक और लूना के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इसी दौरान औरंगाबाद से अंबा की ओर जा रहा एक ऑटो चालक सड़क पर गिरे लोगों को बचाने का प्रयास करने लगा। अचानक ब्रेक लगाने के कारण ऑटो का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गया। ऑटो पलटने से उसमें सवार कुछ यात्रियों को भी मामूली चोटें आईं।

लोक शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर डीएम का जोर, द्वितीय अपीलीय प्राधिकार के तहत विभिन्न मामलों की सुनवाई

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की कॉज लिस्ट के अनुसार विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान परिवादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों एवं लोक प्राधिकारों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

सुनवाई के दौरान जिला पदाधिकारी ने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम का उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा कि की गई कार्रवाई की जानकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में लोकहित एवं व्यक्तिगत शिकायतों से जुड़े कई मामलों पर विचार किया गया। इनमें विकेश कुमार सिंह द्वारा पिछले सात वर्षों से लंबित पंचायत सरकार भवन के अधूरे निर्माण कार्य को पूरा कराने की मांग, मुखदेव सिंह द्वारा जमाबंदी पंजी में कथित छेड़छाड़ के मामले में संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचलाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग, अभिमन्यु कुमार सिंह द्वारा भूमि अधिग्रहण किए बिना रैयती भूमि पर पुल निर्माण तथा केवाला के आधार पर जमाबंदी कायम किए जाने से संबंधित शिकायत शामिल थी। इसके अलावा पुष्पेंद्र कुमार सिंह द्वारा सड़क किनारे झोपड़ी स्थापित कर आवागमन बाधित किए जाने, मुरारी मौआर द्वारा नाला निर्माण कार्य से उत्पन्न विवाद, जयराम पांडे एवं जगन्नाथ पांडे द्वारा केवाला की जांच कर रैयती भूमि पर कब्जा दिलाने तथा कमलेश सिंह द्वारा अंचल स्तर से संबंधित शिकायतों पर भी सुनवाई की गई। सुनवाई के उपरांत जिला पदाधिकारी ने संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम नागरिकों को त्वरित न्याय एवं आवश्यक राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

रानी तालाब में 6 जून को होगा 24 घंटे का अखंड हरिनाम कीर्तन

देव (औरंगाबाद)(नि.सं.)। मांकाली की स्थापना दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए काली स्थान शिवालय समिति ट्रस्ट के द्वारा आगामी 6 जून को रानी तालाब में 24 घंटे का अखंड हरिनाम कीर्तन आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए मां काली स्थान शिवालय समिति के सदस्यों नें पुरे देव प्रखंड के सनातनी कीर्तन मंडली को आमंत्रित किया है। सदस्यों ने बताया कि पुरे उत्साह के साथ पुरुसोत्तम मास में 24 घंटे का अखंड संकीर्तन किया जायेगा। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए रानी तालाब के चारों ओर दीपों से सजाया जायेगा ।

झारखंड से लाई जा रही 2225 बोतल शराब लदी बोलेरो जब्त, 2000 लीटर जावा महुआ नष्ट

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

कुटुंबा थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड से लाई जा रही देशी शराब की एक बड़ी खेप बरामद की है। बुधवार देर रात पुलिस ने 2225 बोतल देशी शराब से लदी एक बोलेरो जब्त की। हालांकि पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। इसके अलावा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर करीब 2000 लीटर जावा महुआ विनष्ट किया तथा शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों को भी नष्ट कर दिया। कुटुंबा थानाध्यक्ष इमरान अली ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड से वैकल्पिक मार्ग के जरिए शराब की बड़ी खेप कुटुंबा थाना क्षेत्र में प्रवेश करने वाली है।